बिहार-झारखंड संस्करण
वर्षः 5
अंकः 159
मूल्य ₹ 2.00
पृष्ठ 06
Reg: UDYAM-BR-17-0007168

दैनिक
बिहार पत्रिका
सच के साथ

पटना। मंगलवार, 24 दिसंबर 2024 | सम्पादकः कृष्णा टेकड़ीवाल | web_dainikbiharpatrika.com | Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com

प्रधानमंत्री मोदी ने 71 हजार से अधिक नवनियुक्तों को नियुक्ति पत्र किए वितरित, कहा- 'देश के हजारों युवाओं के लिए हो रही जीवन की नई शुरुआत

दैनिक बिहार पत्रिका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 71 हजार से ज्यादा नवनियुक्तों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नवनियुक्त युवाओं को शुभकामनाएं दीं और कहा, "आज देश के हजारों युवाओं के लिए जीवन की एक नई शुरुआत हो रही है। आपका वर्षों का सपना पूरा हुआ है, वर्षों की मेहनत सफल हुई है। "पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा, मैं कल देर रात ही कुवैत से लौटा हूं, वहां मेरी भारत के युवाओं से, प्रोफेशनल्स से लंबी मुलाकात हुई, काफी बातें हुईं। अब यहां आने के बाद मेरा पहला कार्यक्रम देश के नौजवानों के साथ हो रहा है, ये सुखद संयोग है। **देश के हजारों युवाओं के लिए जीवन की एक नई शुरुआत:**उन्होंने कहा, आज देश के हजारों युवाओं के लिए जीवन की एक नई शुरुआत हो रही है। आपका वर्षों का सपना पूरा हुआ है, वर्षों की मेहनत सफल हुई है।2024 का ये जाता हुए साल, आपको और आपके परिवार को नई खुशियां देता हुआ जा रहा है। मैं आप सभी युवाओं और आपके परिवारों को अनेक-अनेक बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने कहा, भारत के युवाओं के सामर्थ्य और प्रतिभा का भरपूर उपयोग हमारी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, रोजगार मेलों के जरिए हम लगातार इस दिशा में काम कर रहे हैं। पिछले 10 वर्षों से सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और संस्थानों में सरकारी नौकरी देने का अभियान चल रहा है। आज भी 71,000 से ज्यादा युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। बीते एक डेढ़ साल में करीब 10 लाख युवाओं को हमारी सरकार ने पक्की सरकारी नौकरी दी है। पीएम ने कहा, आज भारत का युवा, नए आत्मविश्वास से भरा हुआ है। वो हर सेक्टर में अपना परचम लहरा रहा है। आगे जोड़ते हुए उन्होंने कहा, पहले पाबंदियों के कारण जो शिक्षा व्यवस्था छात्रों पर बोझ बन जाती थी, वो अब उन्हें नए विकल्प दे रही है। अटल टिंकरिंग लैब्स और आधुनिक पीएम श्री स्कूलों के जरिए बचपन से ही इनोवेटिव माइंडसेट को गढ़ा जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा, आज यहां हजारों बेटियों को भी नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। आपकी सफलता दूसरी महिलाओं को प्रेरित करेगी। हमारा प्रयास है कि हर क्षेत्र में महिलाएं आत्मनिर्भर बनें। उल्लेखनीय है कि रोजगार मेला रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह युवाओं को राष्ट्र निर्माण और आत्म-सशक्तिकरण में उनकी भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करता है। देशभर में 45 स्थानों पर रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेले की शुरुआत अक्टूबर 2022 में की गई थी और अब तक 50 शहरों में राष्ट्रीय स्तर पर ऐसे 13 मेले आयोजित किए जा चुके हैं।इन मेलों में लाखों युवाओं को नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं, जो विभिन्न सरकारी विभागों और मंत्रालयों में रिक्त पदों को भरने की दिशा में एक कदम है। ये भर्तियां गृह मंत्रालय, डाक, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, और वित्तीय सेवाओं जैसे मंत्रालयों और विभागों में शामिल होंगी। रोजगार मेला युवाओं के बीच रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है।

पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

कमर्शियल वाहन से भारी मात्रा में ज्वेलरी सहित विदेशी करेंसी नोट किया जप्त

दैनिक बिहार पत्रिका

चांदन/बांका। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर सत्य प्रकाश के निर्देश पर बेलहर अनुमंडल पदाधिकारी राजकिशोर कुमार के नेतृत्व में सुइया थाना अध्यक्ष विशाल कुमार आदि पुलिस के सहयोग से दिल्ली पुलिस टीम द्वारा सुइया मोड़ पर विशेष वाहन जांच चला कर बेलहर कि ओर से आ रहे एक कमर्शियल वाहन कि सघन तलाशी ली गई। तलाशी के क्रम में लगभग 4 करोड़ रुपए का विभिन्न प्रकार के सोने चांदी रत्न जड़ित आभूषण, सहित 3 लाख 49 हजार 661 रुपए नकद, एवं विदेशी करेंसी नोट बरामद किया। साथ साथ ही इस कांड में प्रयुक्त किए गए कमर्शियल वाहन सहित दो अप्राथमिक अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल किया। गिरफ्तार अभियुक्त कि पहचान जिला सह थाना बांका के महेंद्र यादव पिता हुरो यादव एवं कटोरिया थाना क्षेत्र के गुड्डू ठाकुर पिता राजेंद्र ठाकुर के रूप में कि गई है। इस संदर्भ में बेलहर प्रक्षेत्र एसडीपीओ राजकिशोर कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी दिया कि दिल्ली माडल थाना कांड संख्या 744/24 दिनांक 17/12/24 के आलोक में तकनीकी अनुसंधान के मदद से पुलिस अधीक्षक बांका डॉक्टर सत्य प्रकाश निर्देशानुसार कार्रवाई किया गया है। गिरफ्तार दोनों आरोपी दिल्ली में एक मालिक के घर काम करता था। और घटना का अंजाम देकर फरार हो गया था।जिसे विधिवत गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई करते ट्रांजिट रिमांड हेतु बांका न्यायालय भेज दिया।

शिक्षकों द्वारा विद्यालयों में दर्ज की जा रही ऑनलाईन उपस्थिति कि की गई समीक्षा

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। जिला पदाधिकारी द्वारा शिक्षा विभाग की समीक्षा के क्रम में शिक्षकों द्वारा विद्यालयों में दर्ज की जा रही ऑनलाईन उपस्थिति की समीक्षा की गई तथा निदेश दिया गया कि प्रतिदिन निर्धारित समय के पूर्व में विद्यालय छोडने वाले शिक्षकों को संध्या 05 बजे जिला शिक्षा पदाधिकारी मुख्यालय में बुलाकर उनसे समय से पूर्व विद्यालय से अनुपस्थिति कारण पूछे। संतोषजनक उत्तर नहीं देने पर उन कार्रवाई की जाय। निदेश दिया गया कि सभी विद्यालय निरीक्षणकर्ता निरीक्षण के दौरान पढ़ाई की गुणवता एवं बच्चों को होमवर्क देने की जाँच करेंगे। अपार एवं आधार कार्ड की इंट्री की समीक्षा के क्रम में निदेश दिया गया कि बी०पी०एम० एवं बी०आर०पी० की जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए प्रतिदिन की प्रगति प्रतिवेदन की मॉग करेंगे तथा प्रतिवेदन 30 विद्यालयों से वी०सी० करेंगे। नेताजी आवासीय हॉस्टल के निर्माण हेतु संभाग प्रभारी को संबंधित अंचलाधिकारी से संपर्क कर भूमि चिन्हित् कर प्रतिवेदन अगली बैठक में प्रस्तुत करने का निदेश दिया गया। असैनिक कार्य की समीक्षा के क्रम में स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, बांका एवं एस०एस०ए० बांका के अभियंताओं को निदेश दिया गया कि फेजवार जिन संवेदकों को कार्यादेश निर्गत कर दिया गया है वहीं यथाशीघ्र कार्य प्रारंभ करावें। सभी अभियंता वितीय वर्ष की समाप्ति को ध्यान में रखते हुए ससमय कार्य पूर्ण करायेंगे। नीति आयोग के तहत कराये जा रहे असैनिक कार्य की सुस्त रफतार पर जिला पदाधिकारी द्वारा शेष विद्यालयों में बचे असैनिक कार्य को अन्य संवेदकों के बीच आबंटित करते हुए 05 जनवरी 2025 तक कार्य पूर्ण कराने का निदेश जिला शिक्षा पदाधिकारी को दिया गया। निदेश दिया गया कि कार्य प्रारंभ करने से पूर्व का फोटो एवं कार्य समाप्ति के पश्चात् का फोटो / वीडियों अनिवार्य रूप से प्राप्त करेंगे। सहायक अभियंता को बोरिंग निर्माण कार्य की जाँच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे। जिला शिक्षा पदाधिकारी को सभी कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की जाँच जिला स्तरीय टीम गठित कराने का निदेश दिया गया। के०जी०बी०भी० बेलहर में छात्राओं से बर्तन धुलवाने की मामला संज्ञान में आने पर जाँच कर प्रतिवेदन की माँग की गयी। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, एम०डी०एम०, सहायक अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, बांका, सहायक अभियंता, एस०एस०ए०, सहायक प्रबंधक तकनीकी, सभी कनीय अभियंता, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी, सहायक साधन सेवी एवं अन्य कर्मी आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

शराबी युवक को किया गिरफ्तार, भेजा बांका न्यायालय

दैनिक बिहार पत्रिका

चांदन/बांका। पुलिस अधीक्षक बांका डॉक्टर सत्य प्रकाश के निर्देश पर लगातार चलाए जा रहे, शराब कारोबारी एवं शराब पीयकड़ो के खिलाफ, छापेमारी अभियान के तहत, आनन्दपुर थाना अध्यक्ष विपिन कुमार आदि पुलिस बलों ने, बीते दिन रविवार को शाम पांच बजे के करीब भैरोगंज बाजार में शराब पीकर उत्पात मचा रहे, एक युवक को विधिवत गिरफ्तार किया गया। तथा ब्रेथ इनलाइजर मशीन से शराब पीने की पुष्टि कराते हुए, सोमवार को गिरफ्तार शराबी के खिलाफ अग्रिम कार्रवाई कर जूर्माना हेतु बांका न्यायालय भेज दिया। गिरफ्तार शराबी कि पहचान सुइया थाना क्षेत्र के धवाना गांव निवासी विरचनी यादव के पुत्र सुनील कुमार के रूप में कि गई है।

मशाल 2024 में शारीरिक शिक्षक एवं कप्यूटर शिक्षक का प्रशिक्षण प्रारम्भ

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। दिनांक 23 से 24 दिसम्बर तक चंद्रशेखर सिंह नगर भवन में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ जिला शिक्षा पदाधिकारी, बांका, जिला खेल पदाधिकारी, बांका एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी सर्व शिक्षा अभियान, बांका ने संयुक्त रूप से किया। मशाल 2024 प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी मास्टर ट्रेनर प्रदीप कुमार, पंकज कुमार, संतोष कुमार, चन्दन कुमार, श्रीकांत पाण्डेय, हरीश गांगुली, विकास,राम कुमार, अलोक रंजन,यशवंत सिंह, विजयन्त कुमार आदि ने अपने सेशन को सम्बोधित किया। जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री कुंदन कुमार ने इस पुरे कार्यक्रम पर प्रकश डाला एवं पूरी तन्मयता के साथ कार्यक्रम को अपने विद्यालय में शत प्रतिशत लागु करने का निदेश दिया। जिला खेल पदाधिकारी ने सभी शिक्षकों को अपने पंचायत में पंचायत क्लब के रजिस्ट्रेशन के लिये आवश्ययक दिशा निर्देश दिया। जिला खेल संयोजक सह मास्टर ट्रेनर प्रदीप कुमार ने सभी अतिथियों एवं प्रशिक्षकों के बिच पुरे कार्यक्रम की रूप रेखा रखी तथा दोनों दिनों का शेडूल बताया एवं प्रशिक्षण के दौरान सभी प्रतिभागियों के सवालों का निराकरण किया। उद्घाटन सत्र का मंच संचालन श्री कुंदन बिहारी ने किया। मशाल कार्यक्रम के संभाग प्रभारी मो0 जावेद आलम ने पुरे प्रशिक्षण कार्यक्रम का बागडोर संभाले रखा। इस मौक़े पर जिला शिक्षा परियोजना के श्री विनय कुमार, मनोहर सिंह, जमुआर जी, धीरज जी आदि का पूर्ण सहयोग रहा। इस आशय की जानकारी खेल संयोजक प्रदीप कुमार ने दी।

सात निश्चय योजना से जोड़ा गया सरदार रामकरण औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अमरपुर को

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार के निर्देशानुसार डीआरसीसी प्रबंधक रजनीश राज के द्वारा सरदार रामकरण औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अमरपुर को सात निश्चय योजना से जोड़ा गया। प्रबंधक ने बताया कि आर्थिक हल युवाओं के बल के अंतर्गत आईटीआई करने वाले 2 साल कोर्स के बच्चे को बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के तहत 2 लाख तक का ऋण प्रदान करती है जिसमें इलेक्ट्रीशियन, फीटर कोर्स सम्मिलित है। काउंसलिंग में 200 बच्चों ने भाग लिया एवं बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड लेने के लिए तत्परता दिखाएं। काउंसलिंग के दौरान बताया गया कि बच्चों को कोर्स फीस के अलावा रहने खाने एवं किताबों का भी पैसा बहुत ही कम ब्याज दर पर दिया जाता है जो की कोर्स ड्यूरेशन में लौटने की जरूरत नहीं है। बच्चों को कोर्स के बाद भी 1 साल का समय पैसा लौटाने के लिए दिया जाता है। आई टीआई के प्राचार्य रजनीश मौजूद थे। सिंगल विंडो ऑपरेटर डीआरसीसी राम विनय सिंह भी काउंसलिंग कार्य में सम्मिलित थे।

कर्तव्य पथ पर 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की निकलेगी झांकी

नई दिल्ली

आगामी गणतंत्र दिवस परेड में झांकियों के प्रदर्शन का विषय 'स्वर्णिम भारतः विरासत और विकास' है। वहीं इस बार 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर झांकियां प्रस्तुत करने के लिए 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का चयन किया गया है। यह जानकारी रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को दी। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का चयन हुआ है, उनमें- आंध्र प्रदेश, बिहार, चंडीगढ़, दादर नागर हवेली और दमन और दीव, गोवा, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, पंजाब, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल का नाम है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, इसके अलावा, 2025 के गणतंत्र दिवस समारोह के लिए केंद्र सरकार के 11 मंत्रालयों और विभागों का भी चयन किया गया है। बयान में कहा गया है, ''हर साल राज्य/केंद्र शासित प्रदेश और केंद्र सरकार के मंत्रालय/विभाग गणतंत्र दिवस समारोह (आरडीसी) के हिस्से के रूप में कर्तव्य पथ पर अपनी झांकियां प्रदर्शित करते हैं। आरडीसी-2025 के लिए झांकियों का विषय 'स्वर्णिम भारतः विरासत और विकास' तय किया गया है।'' इसमें कहा गया है, ''सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को, चाहे उनका चयन कर्तव्य पथ के लिए हो या ना हो, लाल किले में भारत पर्व (26-31 जनवरी) के दौरान अपनी झांकी प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।'' मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि झांकी गणतंत्र दिवस परेड के महत्वपूर्ण घटकों में से एक होती हैं। बयान में कहा गया है कि परेड की कुल अवधि में झांकियों के लिए आवंटित समय के कारण, ₹विशेषज्ञ समिति द्वारा झांकियों का चयन किया जाता है।

कैसे होता है चयन''बयान में कहा गया है, ''विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और मंत्रालयों द्वारा प्रस्तुत झांकी के विचारों का मूल्यांकन करते समय, वैचारिक विशिष्टता एवं नवीनता, स्पष्ट, संप्रेषणीय संदेश के साथ रचनात्मक अभिव्यक्ति, सूक्ष्मता के साथ-साथ प्रत्यक्षता का संयोजन, प्रत्येक झांकीमें विरासत तथा विकास के बीच संतुलन, दोहराव वाले विचारों का बहिष्कार, रंग, रूप, बनावट, प्रवाह, लय, अनुपात व संतुलन जैसे विवरणों पर विशेष ध्यान, भव्य पैमाने का एक सुव्यवस्थित सौंदर्य अनुभव सुनिश्चित करना जैसे प्रमुख पहलुओं को चयन के लिए ध्यान में रखा गया।'' बयान में कहा गया है कि वर्ष की शुरुआत से ही रक्षा मंत्रालय द्वारा झांकी से संबंधित विभिन्न गतिविधियों पर निर्णय लेने के लिए ''परामर्श प्रक्रिया'' अपनाई गई है।**अप्रैल 2024 में हुई बैठक;**बयान में कहा गया है, ''झांकी की गुणवत्ता में सुधार पर विचार-विमर्श के लिए अप्रैल 2024 में वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर एक बैठक आयोजित की गई थी। इसके माध्यम से प्राप्त विभिन्न सुझावों को प्रक्रिया में शामिल किया गया है। झांकीके लिए विषय-वस्तु भी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से प्राप्त सुझावों के आधार पर तय की गई थी। '' मंत्रालय ने बयान में कहा कि गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने हेतु झांकियों के चयन के उद्देश्य से एक सुस्थापित प्रणाली मौजूद है, जिसके अनुसार रक्षा मंत्रालय सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों से झांकियों के लिए प्रस्ताव आमंत्रित करता है। बयान में कहा गया है, ''विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों से प्राप्त झांकियों के प्रस्तावों का मूल्यांकन विशेषज्ञ समिति की बैठकों की एक श्रृंखला में किया जाता है, जिसमें कला, संस्कृति, चित्रकला, मूर्तिकला, संगीत, वास्तुकला, नृत्यकला आदि क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल होते हैं।''मंत्रालय ने बयान में कहा, ''संपूर्ण चयन प्रक्रिया सशक्त, निष्पक्ष, पारदर्शी, योग्यता पर आधारित और किसी भी पूर्वाग्रह से मुक्त है। चयनित झांकियां भारत की विविध शक्तियों और इसकी निरंतर विकसित होती सांस्कृतिक समावेशिता को प्रदर्शित करेंगी, जो गौरवशाली भविष्य की ओर अग्रसर है, तथा विश्व दर्शकों के सामने 'स्वर्णिम भारत - विरासत और विकास' को प्रदर्शित करेंगी।'

एक नज़र इधर भी

अभिप कार्यकर्ताओं ने पोस्टर का किया विमोचन

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर! अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद समस्तीपुर द्वारा जिला संयोजक कुंदन यादव के नेतृत्व में पूर्णिया में आयोजित होने वाले अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 66 वें प्रांत अधिवेशन का पोस्टर विमोचन किया गया.इस अवसर पर विभाग संयोजक अनुपम कुमार झा ने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद उत्तर बिहार का 66वां प्रांतीय अधिवेशन 29 से 31 दिसंबर तक पूर्णिया में आयोजित किया जाएगा इस अधिवेशन में शिक्षा, रोजगार एवं आंतरिक सुरक्षा जैसे विषयों पर प्रस्ताव पारित किए जाएंगे तीन दिनों तक चलने वाले इस अधिवेशन में पूरे उत्तर बिहार से 1500 से अधिक छात्र-छात्रा भाग लेंगे वही समस्तीपुर से 85 छात्र छात्राएं सम्मिलित होंगे।वही नगर उपाध्यक्ष डॉ निकेंद्र कुमार ने कहा कि इस अधिवेशन में सभी जिलों की गतिविधियों का एवं उसे जिले की विशेषता का प्रदर्शनी लगाया जाएगा जो की आकर्षण का केंद्र होगा.मौके पर नगर मंत्री शुभम कुमार, सह मंत्री सुधांशु कुमार ,विक्की चौधरी ,प्रिंस कुमार ,रॉकी कुमार, अभिषेक कुमार, अजय प्रताप, कृति कुमारी, विराज कुमार, साक्षी कुमारी , कंचन कुमारी, कारण कुमार, राहुल कुमार, विकास कुमार निक्कू आर्या आदि उपस्थित थे।

पीटीसी राकेश कुमार को मिली पदोन्नति, थानाध्यक्ष ने दी बधाई

एएसआई राकेश कुमार को स्टार लगाकर बधाई देते थानाध्यक्ष

दैनिक बिहार पत्रिका

विद्यापतिनगर। थाना में पदस्थापित पुलिस पीटीसी से पुलिस सहायक अवर निरीक्षक पद पर पदोन्नति प्राप्त होने पर राकेश कुमार को थानाध्यक्ष फिरोज आलम एवं अपर थानाध्यक्ष पुलिस चौधरी ने स्टार लगाकर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। इस अवसर पर थानाध्यक्ष ने कहा कि आपके मेहनत से काम करने का प्रतिफल यह पदोन्नति है। पदोन्नति के साथ ही आपकी जिम्मेवारी बढ़ गयी। सर्विस में अभी और पदोन्नति होगी। उन्होंने इमानदारीपूर्वक कार्य करते हुए पब्लिक के बीच मधुर संबंध स्थापित करने की सलाह दी। इस तरह आगे भी पदोन्नति मिलती रहेगी। इस मौके पर एसआई कृष्णनंदन झा, अख्तर अंसारी सहित अन्य मौजूद थे।

4 करोड़ के ज्वेलरी तथा 349661 रुपया कैश एवं विदेशी करैंसी को बरामद

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। सुईया थाना तथा दिल्ली पुलिस टीम द्वारा चिंहनित स्थान पर वाहन जांच के क्रम में कमर्सियल वाहन से दो व्यक्ति को जांच के क्रम मे पकड़ा गया। जिंहे तलाशी के क्रम मे 4 करोड़ के अनुमानित ज्वेलरी तथा 3 लाख 49 हजार 661 रुपया कैश एवं विदेशी करैंसी को बरामद किया गया। जो दिल्ली माडल थाना कांड संख्या-744/24 दिनांक-17/12/24 धारा - 309(4) /311/317(2)BNS के प्राथमिक अभियुक्त है। जो दिल्ली से अपने मालिक के घर मे रोबरी करके फिरार था। जिन्हें दिल्ली पुलिस टीम को एस डी पी ओ बेलहर द्वारा पी सी करके सर के निर्देशन मे सुईया थाना से ट्रांजित रिमांड हेतु बांका भेजा दिया गया है।

20 लीटर महुआ शराब जप्त सहित 40 जावा महुआ किया विनिष्ट

दैनिक बिहार पत्रिका

चांदन/बांका। आनन्दपुर थाना अध्यक्ष विपिन कुमार आदि पुलिस बल ने शराब कारोबारी के खिलाफ सघन छापेमारी अभियान के तहत गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के पीलूआ गांव से विधिवत 20 लीटर महुआ जप्त किया। वहीं इस अभियान के तहत गांव से कुछ दूर जंगल में विभिन्न प्लास्टिक डब्बा में छिपाकर रखे 40 किलो फुलाया जावा महुआ सहित एक भट्ठी विनिष्ट किया गया। इस संदर्भ में आनन्दपुर थाना अध्यक्ष विपिन कुमार ने बताया कि जप्त शराब के खिलाफ अग्रतर कार्यवाही कि जा रही है।

डीआरएम के आदेश को कब तक दिखाया जाता रहेगा ठेंगा!सज रही 'मौत की दुकानों'के कारण अगर कोई हादसा हुआ तो 'जवाबदेह' कहलाएगा कौन?

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। रेलवे स्टेशन और आस-पास के क्षेत्रों का निरीक्षण करने खगड़िया पहुंचे सोनपुर डीआरएम ने रेलवे के पार्किंग और स्टेकिंग की जमीन पर सज रही मौत की दुकानों को लेकर जब यह कह दिया कि,रेलवे से इकरारनामा के अनुसार अगर काम नहीं हुआ तो पार्किंग व स्टेकिंग का टेंडर रद्द होगा तो फिर सवाल यह उठ रहा है कि, उस परिसर में जगह आवंटित करने और मौत की दुकान सजाने के नाम पर रुपये वसूल कर छोटे-छोटे दुकानदारों को आखिर कौन भरोसा दिला रहा है कि,आप लोगों की दुकानें ताउम्र रहेगी! सवाल तो अनगिनत उठ रहे हैं, लेकिन डीआरएम ने यह स्पष्ट कर दिया कि,रेलवे पार्किंग व स्टेकिंग की जमीन पर खुदरा बाजार सजना अवैध है। उन्होंने कहा कि,पार्किंग व स्टेकिंग की जमीन पर खुदरा दुकान लगाने पर पाबंदी है। इकरारनामा के अनुसार ही ठेकेदार को काम करना होगा।इसमें कोताही या गड़बड़ी होने पर कार्रवाई में कोई देरी नहीं होगी। हालांकि,डीआरएम विवेक भूषण सूद ने खगड़िया रेलवे स्टेशन से लेकर पूरे परिसर का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि, अमृत भारत योजना से खगड़िया रेलवे स्टेशन पर कई काम होंगे। पुराने भवन को तोड़ कर आधुनिक सुविधा युक्त भवन बनाए जाएंगे। रेलवे स्टेशन पर चारों ओर गंदगी देख बिफरे डीआरएम ने अधिकारियों की क्लास लगाई और तुरंत सुधार करने का निर्देश दिया। दरअसल,बीते शनिवार को सोनपुर मंडल रेल प्रबंधक विवेक भूषण सूद ने खगड़िया रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान स्टेशन परिसर में चल रहे निर्माण कार्य का जायजा लिया। इसके बाद डीआरएम पार्किंग व स्टेकिंग की जमीन का निरीक्षण करने पहुंचे और वहां उन्होंने ठेकेदार द्वारा निर्धारित क्षेत्रफल से ज्यादा उपयोग करते हुए पाया। डीआरएम ने स्पष्ट लहजे में कहा कि,पार्किंग व स्टेकिंग की जमीन पर खुदरा दुकान लगाने पर पाबंदी है। पार्किंग व स्टेकिंग की जमीन पर खुदरा दुकानदारी नहीं की जा सकती है। इकरारनामा के अनुसार ही ठेकेदार को काम करना होगा। इसमें कोताही या गड़बड़ी मिलने पर टेंडर तक रद्द किया जा सकता है। डीआरएम ने खबर के माध्यम से पूरे मुद्दे को उठाने के लिए मीडिया की तारीफ करते हुए कहा कि,समस्याओं की ओर ध्यान दिलाने से रेल प्रशासन को सुधार करने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि, बाकी बची जमीन के लिए जल्द टेंडर निकाला जायेगा। रेलवे की खाली पड़ी जमीन का सदुपयोग करने से राजस्व आयेगा। मीडिया से मुखातिब हुए डीआरएम ने बताया कि,सोनपुर रेल मंडल के अधीन सबसे चौड़ा यानि 12 मीटर फुट ओवर ब्रिज का निर्माण खगड़िया स्टेशन पर हो रहा है। अगले महीने से काम में तेजी आयेगी। इसके अलावा पुराने भवन को तोड़ कर आधुनिक सुविधा युक्त भवन का निर्माण किया जायेगा। इसके अलावा अमृत भारत योजना से होने वाले निर्माण कार्य का भी डीआरएम ने जायजा लिया। रेलवे स्टेशन परिसर सहित प्लेटफार्म पर चारों ओर गंदगी पसरा देख अधिकारियों का क्लास लेते हुए डीआरएम ने कहा कि, इतना गंदा स्टेशन सिस्टम के लिये शर्मनाक है। सीनियर डीसीएम रौशन कुमार, आइओडब्लू चंदन चौरसिया, डीसीआइ कुमुद रंजन, आरपीएफ इंस्पेक्टर अरविंद कुमार राम आदि सहित अन्य रेल अधिकारियों की मौजूदगी में डीआरएम ने माना कि लोगों द्वारा रेलवे ट्रेक व घेराबंदी को पार करना जानलेवा साबित हो सकता है। फुट ओवरब्रिज का उपयोग कर अनहोनी को रोका जा सकता है। पार्किंग व स्टेकिंग की जमीन की भी घेराबंदी जालीदार तारों से की जायेगी। ताकि,लोग इधर से उधर पार नहीं कर सकें। ऐसे में अब यहां यह भी सवाल उठ रहा है कि, पार्किंग और स्टेकिंग के लिए आवंटित जमीन की जालीदार तारों से घेराबंदी की जिम्मेदारी लेगा कौन! उसमें भी तब, जब पार्किंग व स्टेकिंग की जमीन पर खुदरा बाजार लगा कर रोज हजारों रुपये की वसूली सहित दुकानदार से एडवांस के तौर पर 70 हजार रुपये की मांग की जा रही हो! मंडल रेल प्रबंधक ने इस तरह की स्थिति पर एतराज तो जताया, लेकिन यह सवाल सुलगता रहेगा कि, डीआरआरएम के आदेशानुसार सभी कार्य होंगे या पार्किंग और स्टेकिंग की जमीन पर मौत की दुकानें सजती ही रहेगी! सबसे अहम सवाल तो यह है कि,उक्त स्थल पर खरीददारी कर आने-जाने के दौरान अगर कोई रेल के चपेट में आया तो जबावदेह होगा कौन??

दोबारा शराब सेवन के आरोप में कुल दो एवं शराब सेवन के आरोप में कुल आठ अभियुक्त गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। बांका थाना अंतर्गत तारा मंदिर पुल के पास अश्वनी कुमार वर्तमान में सहायक अवर निरीक्षक मद्य निषेध उत्पाद थाना बांका के नेतृत्व में दोबारा शराब सेवन के आरोप में कुल दो अभियुक्त रवि सिंहा उर्फ रवि कुमार सिंहा पिता स्वर्गीय अविनाश चंद्र सिंहा शाकिन बाबू टोला थाना बांका जिला बांका उम्र 55 वर्ष करीब प्रदीप यादव उर्फ प्रदीप कुमार यादव पिता श्याम सुंदर यादव घर बाबू टोला थाना बांका जिला बांका उम्र 45 वर्ष करीब को गिरफ्तार किया गया। इसके अतिरिक्त शराब सेवन के आरोप में कुल आठ व्यक्तियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से वे जुर्माना देकर मुक्त किए गए।

अस्पताल केंपस में गार्डवाल व चारदीवारी नहीं होने से दुर्घटना होने कि बनी सम्भावना

दैनिक बिहार पत्रिका

चांदन/बांका। एक तरफ जहां सरकार स्वास्थ्य विभाग पर अच्छी स्वास्थ्य सेवा देने की बात करती है। वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य सुविधा की लचर व्यवस्था बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। ज्ञात हो की विगत 2 साल पूर्व बांका डीएम अंशुल कुमार द्वारा निरीक्षण के क्रम में चांदन अस्पताल कि जिर्णोद्धार सौंदर्यीकरण एवं कायाकल्प को निखारते हुए खूब सराहना किया गया था। अस्पताल कि सुंदरता पर स्वास्थ्य विभाग कि ओर से राजद के प्रतिपक्ष नेता सह उपमुख्यमंत्री सह सह स्वास्थ्य मंत्री तेजस्वी यादव द्वारा जिला पदाधिकारी बांका अंशुल कुमार प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया था। लेकिन अस्पताल कि हालत इस प्रकार है कि बाहर से फ़ीट फाट और अंदर से मोकामा घाटऱ वाली चरितार्थ दिखाई दे रही है। अस्पताल की सुंदरता और सुरक्षा की दृष्टि कौन से अस्पताल परिसर के बाहर बने पोखर किसी बड़ी दुर्घटना होने आज भी बरकरार बनी हुई है। जबकि जिला अधिकारी महोदय निरीक्षण के क्रम में मनरेगा विभाग चांदन को अस्पताल परिसर के बाहर पोखर से रोड का चौड़ीकरण और गार्डवाल बनाने का सख्त निर्देश दिया गया था। बावजूद आज तक गार्ड वाल कि निर्माण नहीं कराया गया है। गार्ड वाल नहीं से एम्बुलेंस चालकों को परेशानी कि सामना झेल रही है, बताया गया कि यहां एम्बुलेंस घुमाने में खतरा बना रहता है।

वहीं इस संदर्भ में प्रभारी चिकित्सक डॉक्टर आशिष कुमार ने बताया अस्पताल केंपस में चारदीवारी नहीं रहने से माल मवेशी अस्पताल केंपस घुस जाता है। जहां मवेशियों से मरीज पर खतरा बना रहता है।

टी पी डी एस और सीएमआर गोदाम का किया गया भौतिक सत्यापन

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। जिला पदाधिकारी, बांका अंशुल कुमार के आदेशानुसार वरीय पदाधिकारी के द्वारा बांका जिला अंतर्गत सभी टी पी डी एस गोदाम और सीएमआर गोदाम का भौतिक सत्यापन किया गया।

मंदार महोत्सव सह राजकीय बौंसी मेला शुरू होने में 21 दिन शेष, अब तक रंग-रोगन का कार्य नहीं

दैनिक बिहार पत्रिका

बौंसी/बांका। मंदार महोत्सव सह बौंसी मेले के आरंभ होने में महज 21 दिन शेष बचा है। परन्तु जिला प्रशासन की मंद गति से चल रही तैयारी को देखकर लग रहा है कि इस बार भी मेला की तैयारी महज खाना पुरी ही रह जायेगी। आपको बता दें की मुनीश्वर कृषि उद्योग प्रदर्शनी में अब तक रंग रोगन का कार्य आरंभ नहीं किया गया है। कृषि विभाग के द्वारा यहां पर क्यारियां बनाकर डेमोंसट्रेशन के लिए पौधे लगाने की शुरुआत तो कर दी गई है। परंतु मेला परिसर में पूर्व में बनाई गई मूर्तियां अब जगह-जगह से टूटने लगी है। जिसकी मरम्मत अत्यंत आवश्यक है। परिसर में पुस्तक पढ़ती हुई छात्रा की मूर्ति का बायां हाथ पहले ही टूट चुका था, जिसे पिछले वर्ष ही रस्सी से बांधकर मरम्मत कर दिया गया था। वह धीरे-धीरे खराब हो रहा है। दूसरी ओर मकर संक्रांति के मौके पर लगने वाले मेले के अवसर पर पापहारिणी सरोवर का कार्य अब तक अधूरा है। अब तक आरंभ नहीं हो पायी है। दूसरी ओर प्रदर्शनी में रखें बैलगाड़ी का पहिया वह अन्य चीज टूट चुकी है। मेला परिसर में मत्स्य विभाग के तोड़े गए भवन के ठीक सामने गंदगी और पानी का अंबार लगा हुआ है। मालूम हो कि

नल का गंदा पानी यहां आ रहा है ऐसे में मेला परिसर में जल जमाव से यहां आने वाले लोगों को भारी परेशानी हो सकती है। दूसरी और मंदार पर्वत तराई स्थित पर्यटक गेस्ट हाउस के पीछे भी जल जमाव की वजह से गंदगी का अंबार लगा हुआ है। बताया जाता है कि यहां से निकले गंदे पानी के साथ-साथ व्याख्यान भवन के रेस्टोरेंट का पानी भी यहां पर जमा होता है। इसके ठीक बगल में पीएचईडी विभाग का शौचालय बनाया गया है। मकर संक्रांति के मौके पर यहां पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। ऐसे में इस गंदगी भरे रास्ते से होकर ही सैलानियों को शौचालय तक जाना पड़ेगा। जिलाधिकारी के निर्देश के बावजूद अब तक मंदार जाने वाली और मेला पहुंचने वाली सड़कों की मरम्मत का कार्य भी आरंभ नहीं किया गया है। मालूम हो कि लघु जल संसाधन विभाग के द्वारा गाद सफाई का कार्य तो पूरा कर लिया गया परंतु अब तक इसके सीढ़ियों का निर्माण पूर्ण नहीं हो पाया है। ऐसे में मकर संक्रांति के मौके पर यहां स्नान करने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी हो सकती है। दूसरी ओर जिलाधिकारी अंशुल कुमार के द्वारा 7 दिसंबर को आयोजित मंदार महोत्सव की मैराथन बैठक में 20 दिसंबर तक विभिन्न विभागों के पदाधिकारी को अपना कार्य पूरा करने का निर्देश दिया गया था। परन्तु अब तक मंदार पर्वत जाने वाली सीढ़ियों की रंगाई का कार्य आरंभ नहीं किया गया है। बैठक में गणमान्य लोगों के द्वारा बेहतर तरीके से इसकी रंगाई करने की मांग की गई थी। बताया गया था कि सतरंगी रंगों से इसकी रंगाई की जाती है। मेला का समय नजदीक आ चुका है और रंगाई का कार्य आरंभ नहीं हो पाया है। इन दिनों मंदार में सैलानियों की संख्या भी बढ़ चुकी है। अगर अभी कार्य नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में और भी परेशानियां होगी। सरोवर के घाटों को भी पक्की रंगों से रंगने का निर्देश दिया गया था, लेकिन अब तक इसका कार्य भी आरंभ नहीं हुआ है। ऐसे में लग रहा है कि मेला नजदीक आने के बाद रंगाई का कार्य कर खाना पूरी कर ली जायेगी। अगर समय रहते सीढ़ियों और घाटों को बेहतर तरीके से रंग दिया जाय तो यहां की सुंदरता और भी बेहतर हो जायेगी।ऐसे में मंद गति से हो रहे कार्य को देखकर लग रह की आधी अधूरी तैयारी के साथ मंदार महोत्सव का आगाज होगा।

एक नज़र इधर भी

वीर बाल दिवस कार्यक्रम किया गया आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका

बौंसी/बांका। भारतीय जनता पार्टी बौंसी नगर अध्यक्ष मनमीत साह के निजी कार्यालय में वीर बाल दिवस कार्यक्रम सोमवार को आयोजित किया गया। जिसमें सिख धर्म के दसवें गुरु गुरुगोविंद सिंह जी के पुत्र जोरावर सिंह जी एवं फतेह सिंह जी के शहादत को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके जीवनी पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर मुन्ना साह, बुलो प्रसाद यादव, पंकज मांझी, राजेश भगत, रामप्रसाद यादव, बूथ अध्यक्ष रंजीत मांझी, बालगोविंद ठाकुर, प्रदीप राय,दिपक मिश्रा, अंकित घोष सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लंबित पत्रों के तुरंत निष्पादन करने का दिया गया निर्देश

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। जिला पदाधिकारी बांका अंशुल कुमार की अध्यक्षता में सभी जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ 10:30 बजे पूर्वाहन में सोमवारीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा विभिन्न कार्यालयों में लंबित पत्रों के निष्पादन की प्रगति की समीक्षा की गई तथा काफी दिनों से लंबित पत्रों के तुरंत निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। उक्त बैठक में उप विकास आयुक्त, बांका, अपर समाहर्ता , बांका, अपर समाहर्ता विभागीय जांच, बांका, अनुमंडल पदाधिकारी, बांका, जिला परिवहन पदाधिकारी, बांका, विशेष कार्य पदाधिकारी, बांका , जिला योजना पदाधिकारी, बांका सहित अन्य वरीय जिला स्तरीय पदाधिकारी के साथ-साथ सभी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी विडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे।

सीएमआर संग्रह केंद्र का किया गया निरक्षण

दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। धान अधिप्राप्ति 2024-25 में पैक्स के द्वारा किसान से लिए गए धान का मिलिंग करवाने के बाद तैयार सी एम आर मंगलवार से लिया जाएगा। जिसको लेकर अग्रिम तैयारी के तहत जिला पदाधिकारी बांका के आदेशानुसार सोमवार को जिला प्रबंधक राज्य खाद्य निगम बांका के द्वारा सीएमआर संग्रह केंद्र अलीगंज, लक्ष्मीपुर का निरक्षण किया गया। ओर वहां पर मौजूद ए जी एम को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया ताकि कल से नियमानुसार सी एम आर जमा हो सके।

चौधरी चरण सिंह की 122वीं जयंती दी श्रद्धांजलि

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर। जिले के विद्यापति प्रखंड अंतर्गत कांचा चौक क्रांति मैदान के निकट परमहंस राय के अध्यक्षता में ग्रामीणों ने एक सभा कर चौधरी चरण सिंह के 122वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की, इस दिन को किसान दिवस के रूप में मनाया जाता है इस दौरान कौशलेंद्र राय ने कहा कि वह किसानों के नेता माने जाते रहे हैं उनके द्वारा तैयार किया गया जमींदारी उन्मूलन विधेयक राज के कल्याणकारी सिद्धांत पर आधारित था 1 जुलाई 1952 को यूपी में उनके बदौलत जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुआ। और गरीबों को अधिकार मिला उन्होंने लेखपाल के पद पर सृजन भी किया किसानों के हित में उन्होंने 1954 में उत्तर प्रदेश भूमि संरक्षण कानून को पारित कराया अपना पूरा जीवन किसानों के हित काफी संघर्ष किया किसानो के नेता के रूप में विख्यात हुए इन्हीं के जन्म दिवस पर किसान दिवस मनाया जाता है आगे चौधरी चरण सिंह ने जो किसानो के लिए लड़ा उसका प्रतिफल आज किसनो को मिल रहा है। सभा का संचालन अरविंद कुमार राय ने किया,इस मौके पर संतोष राय, राजेंद्र रजक, रामाशीष राय, सच्चिदानंद राय, शंभू प्रसाद यादव, पंकज कुमार इत्यादि ने सभा को संबोधित किया।

प्रतिभा खोज में राज्य में अव्वल रहने पर वैशाली के जिलाधिकारी सम्मानित

दैनिक बिहार पत्रिका

वैशाली ।वैशाली के जिला पदाधिकारी यशपाल मीणा के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में वैशाली जिला कई मामलों में राज्य में बेहतर कर रहा है। इसी बीच राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग बिहार की ओर से आयोजित श्रीनिवास रामानुजन टैलेंट सर्च टेस्ट इन मैथेमेटिक्स 2024 में वैशाली जिले में सबसे अधिक बच्चों की पंजीयन कराने में जिलाधिकारी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।उनके अलावा जिला शिक्षा पदाधिकारी को भी यह पुरस्कार मिला।रविवार को पटना के ज्ञान भवन में बिहार काउंसिल ऑन सायंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के मंत्री श्री सुमित कुमार सिंह ने वैशाली जिलाधिकारी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी के प्रतिनिधि के रूप में एडीएम (आपदा) ने प्रशस्ति पत्र प्राप्त किया। मालूम हो कि शिक्षा विभाग समेत जिले के विभिन्न विभागों की ओर से चलाए जाने वाले सरकार की महत्वपूर्ण जन कल्याणकारी योजनाओं का जिलाधिकारी यशपाल मीणा के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में वैशाली राज्य स्तर पर अव्वल रहा है। इसी बीच श्रीनिवास रामानुजन टैलेंट सर्च टेस्ट इन मैथेमेटिक्स प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए जिले से 30,309 प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया था। इस दौरान राज्य स्तर पर प्रथम से तीसरा स्थान पाने वाले 21 छात्र-छात्राओं सहित जिला स्तर पर पहला तथा दूसरा स्थान पर आने वाले 553 मेधावी छात्रों को कार्यक्रम के

मुख्य अतिथि बिहार सरकार के मंत्री सुमित कुमार सिंह के हाथों पुरस्कृत किया गया। मौके पर विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की सचिव डा. प्रतिमा, निदेशक सह विशेष सचिव उदयन मिश्रा, बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस के वर्मा, परियोजना निदेशक डा. अनंत कुमार आदि मौजूद थें। ज्ञात हो कि श्रीनिवास रामानुजन टैलेंट सर्च टेस्ट में छठी से बारहवीं कक्षा तक के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता को लेकर राज्य स्तर पर जिले से चयनित जीएमएस स्कूल के छठा वर्ग की छात्रा मुस्कान गुप्ता ने तृतीय स्थान एवं लक्ष्य इन्टरनेंशनल एकेडमी स्कूल के तीसरा वर्ग की सौम्या कृष्णा को सम्मानित किया गया। पुरस्कार को लेकर जिलाधिकारी यशपाल मीणा ने संदेश में कहा है कि राष्ट्रीय गणित दिवस के आयोजन से युवाओं में गणित के प्रति रुचि निश्चित रूप से बढ़ती है। सरकार की तकनीकी शिक्षा पर जोर देने की नीति का असर दिख रहा है। इस तरह के आयोजन में अधिक से अधिक छात्रों को शामिल होने चाहिए। सरकार की ओर से प्रदान की जा रही सुविधाओं का लाभ उठाकर वे न सिर्फ अपना बल्कि राज्य का भी नाम रोशन कर सकते हैं। यह कार्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में एक सराहनीय कदम है।

पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह की मनाई गई जयंती

दैनिक बिहार पत्रिका

मोहिउद्दीननगर। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह देश के किसानों की आवाज थे। उनका कहना था कि देश को विकसित करने मे किसानों कि अहम भूमिका होती है । इस लिए पहले कृषि क्षेत्र को विकसित किया जाय। जिससे किसानों मे सम्पन्नता व देश विकसित होंगी। ये बाते चरण लोहिया किसान सेवा समिति समस्तीपुर के बैनर तले कुरसाहा हाई स्कूल के परिसर में सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती समारोह का उद्घाटन करते हुए प्रमुख जवाहरलाल राय ने कही। उन्होंने पूर्व मंत्री रामचंद्र राय व स्वतंत्रता सेनानी सह पूर्व मुखिया रामानंद राय की प्रतिमा निर्माण के लिए चबूतरा बनाये जाने की घोषणा की। समारोह की अध्यक्षता पूर्व प्रमुख त्रिलोकी राय एवं संचालन प्रो. सुभाष सिंह सुमन ने किया। कार्यक्रम का संयोजन किसान नेता दिनकर प्रसाद राय ने किया। किसान दिवस के रूप में मनी जयंती की शुरुआत विशिष्ट अतिथि जसु नेता राहुल कुमार सिंह, पंसस मो सिराज अंसारी, महंत शिवजी दास व अन्य अतिथियों दीप प्रज्वालित कर किया। स्वागत भाषण सेवा समिति अध्यक्ष उमाशंकर सिंह व धन्यवाद ज्ञापन शिक्षक रामकरण राय ने किया।।

जिला परामर्श दात्री समिति ,(DLCC) एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति (DLRC) की सितंबर तिमाही की बैठक आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका/ वैशाली

सोमवार को प्रभारी जिलाधिकारी बिनोद कुमार सिंह की अध्यक्षता में विशेष जिला परामर्श दात्री समिति ,(DLCC) एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति (DLRC) की सितंबर तिमाही की बैठक आयोजित की गई। बैठक में लखेंद्रे कुमार रौशन, विधायक, पातेपुर, वैशाली सहित जिले में कार्यरत सभी सरकारी एवं निजी बैंकों के सितंबर तिमाही की लक्ष्य और प्राप्ति पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा विस्तृत तरीके से समीक्षा की गई । मीटिंग के दौरान प्रभारी जिलाधिकारी महोदय द्वारा जिले के सभी बैंकों के प्रतिनिधियों से समीक्षा के दौरान जिले में विकास की गति को बढ़ाने हेतु सरकार द्वारा प्रायोजित स्कीम और योजनाओं खासकर सामाजिक सुरक्षा के अन्तर्गत चलाए जा रहें योजना जैसे प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना एवं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना आदि को लेकर और तीव्रता से कार्य करने एवम लोगों को जोड़ने का निर्देश दिया गया I पीएम विश्वकर्मा योजना के एवं उसकी स्थिति की समीक्षा बैंक वार करते हुए उन्होंने उपस्थित सभी बैंक के प्रतिनिधियों से कहा कि जितना जल्दी हो सके ऋण आवेदकों का ऋण आवेदन को शीघ्रता से स्वीकृति प्रदान कर

भुगतान करने की व्यवस्था करें। माननीय विधायक महोदय ने भी पीएम विश्वकर्मा और सभी सरकार प्रायोजित योजनाओं को लेकर बैंकों को बढ़ चढ़ कर लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए कहा । दूसरी ओर केसीसी योजना पर भी विस्तृत तरीके से समीक्षा की गई। साथ हीं इसके कार्यान्वयन में आ रही परेशानी व लक्ष्य प्राप्ति पर चर्चा की गई। प्रभारी जिलाधिकारी महोदय ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजनाओं को लेकर आम जनों में जागरूकता लाने की जरूरत पर सभी उपस्थित अधिकारियों से अपील की। पीएमईजीपी योजना पर समीक्षा करते हुए अध्यक्ष महोदय ने इसके सब्सिडी और लंबित ऋण राशि को अति शीघ्र पूरा करने निर्देश दिया । एलडीएम, वैशाली ने प्राइवेट बैंक के सरकारी योजनाओं को लेकर उपेक्षा के प्रति रोष प्रकट किया । बैठक में लक्ष्मण कुमार, डीडीएम नाबार्ड के द्वारा सलाह दिया गया कि अधिक से अधिक किसानों को ऋण मुहैया कराया जाए एवं पुराने ऋण की रिकवरी हेतु जागरूकता अभियान चलाया जाए, जिससे नए ऋणों के स्वीकृति एवं वितरण में तेजी लाया जा सके । मीटिंग का संयोजक कुमार समरेंद्र अग्रणी जिला प्रबंधक वैशाली ने किया। सुनील कुमार , निदेशक रूडसेट संस्थान हाजीपुर, सहित जिले के सभी बैंकों के प्रतिनिधि मौजूद थे। दूसरी ओर इसी मीटिंग के पश्चात माननीय प्रभारी जिलाधिकारी महोदय के अध्यक्षता में रूडसेट संस्थान हाजीपुर के जिला स्तरीय रूडसेटी परामर्श दात्री समिति की त्रैमासिक बैठक का भी आयोजन किया गया। सुनील कुमार निदेशक, रूडसेट ने इस दौरान संस्थान द्वारा दिए गए प्रशिक्षण व उसके क्रियाकलापों के बारे में विस्तृत ब्यौरा प्रदान किया । उन्होंने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में रूडसेट संस्थान ने 1250 के लक्ष्य के तहत 1125 युवक-युवतियों को प्रशिक्षण देने का काम किया है । उनमें से 70% से ज्यादा प्रशिक्षणार्थी अपना स्वरोजगार भी प्रारंभ कर चुके हैं। इस पर प्रभारी जिलाधिकारी महोदय ने प्रसन्नता जाहिर की और कहा कि इसी तरह से अनवरत प्रशिक्षण देने का काम करते रहना है ताकि जिले के व्यक्ति आत्मनिर्भर बन सकें। साथ ही केले रेशे से संबंधित प्रशिक्षण देने का निर्देश दिया। इसमें नाबार्ड के साथ मिला कर कार्य करने हेतु निर्देश दिया।

दाखिल-खारिज, परिमार्जन, एलपीसी में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ अंचल कार्यालय पर माले ने किया धरना-प्रदर्शन

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर। ताजपुर अंचल कार्यालय में दाखिल- खारिज, परिमार्जन, एलपीसी आदि में व्याप्त घूसखोरी पर रोक लगाने, ऑफलाइन जमा किए गए करीब दो हजार आय प्रमाण-पत्र फार्म का आय प्रमाण-पत्र अविलंब बनाने, अंचल कार्यालय पर कब्जा जमाये दलाल-बिचौलिया को बाहर करने, बंगरा थाना कांड संख्या 154 में गिरफ्तार निर्दोष लोगों को रिहा करने, निर्दोष लोगों की गिरफ्तारी बंद करने एवं कांड कराने के जिम्मेवार सेफ्टी मैनेजर आदित्य कुमार झा पर एफआईआर दर्ज करने,सरकारी जमीन पर बसे भूमिहीन परिवार को पर्चा देने, भूमिहीनों को वासभूमि एवं आवास देने, मनरेगा में लूट-भ्रष्टाचार की जांच कर दोषियों पर कारवाई करने एवं योजना में ट्रेक्टर-जेसीबी का इस्तेमाल पर रोक लगाने, मजदूरों को काम देने, भूमाफिया द्वारा निरिह लोगों के जमीन को कब्जा करने पर रोक लगाने, भूमि विवाद का हल अंचल एवं थाना से करने आदि की मांगों को लेकर भाकपा-माले एवं खेग्रामस जुलूस निकालकर सोमवार को अंचल कार्यालय पर प्रदर्शन

किया।इस दौरान दौरान कार्यकर्ता घंटे भर नारेबाजी करते रहे, तत्पश्चात कार्यकर्ता धरना पर बैठ गये। धरना स्थल पर खेग्रामस के प्रखंड सचिव प्रभात रंजन गुप्ता की अध्यक्षता में सभा का आयोजन किया गया। मौके पर भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अंचल कार्यालय में एक काम भी बिना घूस लिए नहीं किया जाता है। चाहे दाखिल- खारिज हो, परिमार्जन हो या एलपीसी हो या फिर अन्य कोई कार्य बिना दलाल-बिचौलिया के हस्तक्षेप किये संभव नहीं है। कुल मिलाकर "अंचल कार्यालय में घूस दो और काम कराओ" का खेल खुलेआम चल रहा है। यह ताजपुर की जनता के अन्याय है और इस अन्याय के खिलाफ भाकपा माले एवं खेग्रामस अनवरत आंदोलनरत रहेगी।मौके पर प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह के नेतृत्व में 5 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल प्रभात रंजन गुप्ता, ब्रह्मदेव प्रसाद सिंह, मो० एजाज, अश्विन कुमार, मो० जाकीर हुसैन ने अंचलाधिकारी आरती कुमारी, आरओ रोहन रंजन से मिलकर 5 सूत्री मांग-पत्र सौंपा। माले नेताओं ने मांग पूरा नहीं होने पर पुनः आंदोलन की चेतावनी देते हुए कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की।

महान सितार वादक प्रोफेसर जान्हवी मुखर्जी का निधन हुआ

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर। महिला कॉलेज की पूर्व विभागाध्यक्ष महान सितार वादक प्रोफेसर जान्हवी मुखर्जी का 22 दिसंबर 2024 को ठंडी शाम के शुरुआती घंटों में अंतिम निधन हो गया.वह एक स्नेही पत्नी, मां और दादी रूप में जानी जाती थीं.कई लोगों की प्रिय मित्र, घर की जान, इस छोटे से शहर समस्तीपुर के दिल में जगह बनाई हुई थी.इस शोकाकुल की घड़ी में उनके पुत्र डॉक्टर सुप्रियो मुखर्जी ने प्रार्थना करते कहा कि जिस नए संसार में उन्होंने कदम रखा है, वहां उनका कल्याण हो और भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें. बता दे कि 1942 में जन्मी प्रोफेसर जान्हवी मुखर्जी महिला कॉलेज में 1975 मे बतौर म्यूजिक की शिक्षिका के रूप में योगदान दी थी.इसके बाद ये म्यूजिक संगीत विभाग की विभागाध्यक्ष के पद से रिटायर्ड हुई थी. विदित हो कि प्रोफेसर

जान्हवी मुखर्जी महान सितारवादक पंडित रविशंकर से शिक्षा ग्रहण की थी.ये समस्तीपुर कॉलेज के पूर्व प्राचार्य स्वर्गीय एन मुखर्जी की पत्नी थी.इस दुख की घड़ी में पुत्र डॉक्टर सुप्रियो मुखर्जी, चार्टर्ड अकाउंटेंट सुंन्द मुखर्जी को काफी संख्या में लोगों ने मिलकर सांत्वना दी है. वही केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर ने महान सितारवादक जान्हवी मुखर्जी के निधन पर दुख जताया है।

किसानों एवं ग्रामीण भारत की आवाज को राष्ट्रीय मंच पर सशक्त रूप से प्रस्तुत किया चौधरी चरणसिंह ने - मनिष पंकज मिश्रा

दैनिक बिहार पत्रिका

गया। भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के जयंती पर राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष के कार्यालय में जयंती समारोह मनाया गया सर्वप्रथम उनके चित्र पर माला पुष्प चढ़कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया इस अवसर पर डॉक्टर मनीष पंकज मिश्रा ने नमन करते हुए कि कहा भारतीय राजनीति के एक ऐसे व्यक्तित्व थे जिन्होंने किसानों और ग्रामीण भारत की आवाज को राष्ट्रीय मंच पर सशक्त रूप से प्रस्तुत किया है। 23 दिसंबर, 1902 को उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में जन्मे चौधरी चरण सिंह की जयंती को किसान दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनके संघर्षशील और सादगीपूर्ण जीवन ने उन्हें किसानों का मसीहा बना दिया है।चौधरी चरण सिंह ने 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया है। उन्होंने अपने कार्यकाल में कृषि क्षेत्र और ग्रामीण विकास को प्राथमिकता दी। उन्होंने गरीब किसानों के कर्ज़ माफी और भूमि सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाए। उनकी नीतियां कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए जानी जाती हैं।चौधरी चरण सिंह ने आर्थिक नीतियों में संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया है, जिसमें ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच आर्थिक असमानता को कम करना उनका प्रमुख लक्ष्य था। उन्होंने 'अंत्योदय' का नारा देकर समाज के सबसे गरीब वर्ग के उत्थान पर जोर दिया। उनकी ₹जमींदारी उन्मूलन अधिनियम और भूमि सुधार के प्रयासों ने भारतीय किसानों के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। देश के ओजस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के द्वारा चौधरी चरण सिंह को मरणोपरांत भारत रत्न प्रदान करने के लिए हृदय से आभार। यह निर्णय देश के किसानों और गरीबों के प्रति उनकी सेवा और योगदान की सच्ची श्रद्धांजलि है। एक छोटे से कस्बा से आकर देश के प्रधानमंत्री पद का गौरव प्राप्त किया किसानों के उत्थान के लिए संघर्षील करते रहे जयंती पर उन्हें कहा कि उनकी नीतियां और दृष्टिकोण आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने समाज के वंचित वर्गों को सशक्त बनाने और न्यायपूर्ण व्यवस्था स्थापित करने के लिए अपने जीवन को समर्पित किया है।

उनके आदर्शों को आत्मसात करने की अपील की है। जिससे समाज में समानता और विकास का संदेश फैलाया जा सके। नमन करने वालों में राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता राणा रणजीत सिंह संतोष ठाकुर दीपक पांडेय अनिल यादव अजय भट्टाचार्य, ललन कुमार प्रसादी कुमार,नीरज सिंह,धर्मेंद्र पांडे,हीरा यादव महेश यादव मंटू कुमार बबलू गुप्ता इत्यादि।

उपभोक्ताओं को मिले त्वरित न्याय

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस

योगेश कुमार गोयल

पिछले कुछ वर्षों में ऐसे अनेक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें उपभोक्ता अदालतों से उपभोक्ताओं को पूरा न्याय मिला है लेकिन आपसे यह अपेक्षा तो होती ही है कि आप अपनी बात अथवा दावे के समर्थन में पर्याप्त सबूत तो पेश करें। उपभोक्ता अदालतों की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इनमें लंबी-चौड़ी अदालती कार्रवाई में पड़े बिना ही आसानी से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यही नहीं, उपभोक्ता अदालतों से न्याय पाने के लिए न तो किसी प्रकार के अदालती शुल्क की आवश्यकता पड़ती है और मामलों का निपटारा भी शीघ्र होता है।

देश में प्रतिवर्ष 24 दिसम्बर को उपभोक्ताओं के विभिन्न हितों और उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए 'राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस' मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उनके हितों के लिए बनाए गए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियमों तथा उनके अंतर्गत आने वाले कानूनों की जानकारी देना है। दरअसल ऑनलाइन खरीददारी हो या ऑफलाइन, ग्राहकों को कई बार सामान की गड़बड़ी अथवा अन्य प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है और इसी तरह की समस्याओं से उन्हें निजात दिलाने तथा उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है। हालांकि वर्ष 2020 तक विभिन्न ई-कॉमर्स साइटों से ऑनलाइन खरीददारी को लेकर उपभोक्ताओं को कोई संरक्षण प्राप्त नहीं था लेकिन उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019 (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) में ई-कॉमर्स को भी दायरे में लाकर उपभोक्ताओं को और मजबूती देने का प्रयास किया गया। पुराना उपभोक्ता संरक्षण कानून करीब साढ़े तीन दशक पुराना हो चुका था, जिसमें समय के साथ बड़े बदलावों की जरूरत महसूस की जा रही थी। इसीलिए ग्राहकों के साथ अक्सर होने वाली धोखाधड़ी को रोकने और उपभोक्ता अधिकारों को ज्यादा मजबूती प्रदान करने के लिए 20 जुलाई 2020 को 'उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019' (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) लागू किया गया, जिसमें उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की ठगी और धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई प्रावधान शामिल हैं।

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस वास्तव में उपभोक्ताओं को उनकी शक्तियों और अधिकारों के बारे में जागरूक करने का महत्वपूर्व अवसर है। भारत में उपभोक्ता आन्दोलन की शुरूआत मुम्बई में वर्ष 1966 में हुई थी। तत्पश्चात पुणे में वर्ष 1974 में ग्राहक पंचायत की स्थापना के बाद कई राज्यों में उपभोक्ता कल्याण के लिए संस्थाओं का गठन किया गया। इस प्रकार उपभोक्ता हितों के संरक्षण की दिशा में यह आन्दोलन आगे बढ़ता गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पहल पर 9 दिसम्बर 1986 को उपभोक्ता संरक्षण विधेयक पारित किया गया, जिसे राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बार 24 दिसम्बर 1986 को देशभर में लागू किया गया।

पिछले कई वर्षों से भारत में प्रतिवर्ष इसी दिन राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण दिवस मनाया जा रहा है। यह दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए और अगर वे धोखाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली इत्यादि के शिकार होते हैं तो वे इसकी शिकायत उपभोक्ता अदालत में कर सकें।

उपभोक्ता संरक्षण कानून में स्पष्ट उल्लेख है कि प्रत्येक वह व्यक्ति उपभोक्ता है, जिसने किसी वस्तु या सेवा के क्रय के बदले धन का भुगतान किया है या भुगतान करने का आश्वासन दिया है और ऐसे में किसी भी प्रकार के शोषण अथवा उत्पीड़न के खिलाफ वह अपनी आवाज उठा सकता है तथा क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है। खरीदी गई किसी वस्तु, उत्पाद अथवा सेवा में कमी या उसके कारण होने वाली किसी भी प्रकार की हानि के बदले उपभोक्ताओं को मिला कानूनी संरक्षण ही उपभोक्ता अधिकार है। यदि खरीदी गई किसी वस्तु या सेवा में कोई कमी है या उससे आपको कोई नुकसान हुआ है तो आप उपभोक्ता फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

अगर उपभोक्ताओं का शोषण होने और ऐसे मामलों में उनके द्वारा उपभोक्ता अदालत की शरण लिए जाने के बाद मिले न्याय के कुछ मामलों पर नजर डालें तो स्पष्ट हो जाता है कि उपभोक्ता अदालतों का उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण में क्या योगदान है। एक उपभोक्ता ने एक दुकान से बिजली का एक पंखा खरीदा लेकिन एक वर्ष की गारंटी होने के बावजूद थोड़े ही समय बाद पंखा खराब होने पर भी जब दुकानदार उसे ठीक कराने या बदलने में आनाकानी करने लगा तो उपभोक्ता ने उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने अपने आदेश में नया पंखा देने के साथ उपभोक्ता को हजार्ना देने का भी फरमान सुनाया। एक अन्य मामले में एक आवेदक ने सरकारी नौकरी के लिए अपना आवेदन अंतिम तिथि से पांच दिन पूर्व ही स्पीड पोस्ट द्वारा संबंधित विभाग को भेज दिया लेकिन आवेदन निर्धारित तिथि तक नहीं पहुंचने के कारण उसे परीक्षा में बैठने का अवसर नहीं दिया गया। आवेदक ने डाक विभाग की लापरवाही को लेकर उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया और उसे न्याय मिला। चूंकि स्पीड पोस्ट को डाक अधिनियम में एक आवश्यक सेवा माना गया है, इसलिए उपभोक्ता अदालत ने डाक विभाग को सेवा शर्तों में कमी का दोषी पाते हुए डाक विभाग को मुआवजे के तौर पर आवेदक को एक हजार रुपये की राशि देने का आदेश दिया।

ऐसी ही छोटी-बड़ी समस्याओं का सामना जीवन में कभी न कभी हम सभी को करना पड़ता है लेकिन अधिकांश लोग अपने अधिकारों की लड़ाई नहीं लड़ते। इसका प्रमुख कारण यही है कि देश की बहुत बड़ी आबादी अशिक्षित है, जो अपने अधिकारों और कर्त्तव्यों के प्रति अनभिज्ञ है। हालांकि जब शिक्षित लोग भी अपने उपभोक्ता अधिकारों के प्रति उदासीन नजर आते हैं तो हैरानी होती है। यदि आप एक उपभोक्ता हैं और किसी भी प्रकार के शोषण के शिकार हुए हैं तो अपने अधिकारों की लड़ाई लड़कर न्याय पा सकते हैं। कोई वस्तु अथवा सेवा लेते समय हम धन का भुगतान तो करते हैं पर बदले में उसकी रसीद नहीं लेते। शोषण से मुक्ति पाने के लिए सबसे जरूरी है कि आप जो भी वस्तु, सेवा अथवा उत्पाद खरीदें, उसकी रसीद अवश्य लें। यदि आपके पास रसीद के तौर पर कोई सबूत ही नहीं है तो आप अपने मामले की पैरवी सही ढ़ंग से नहीं कर पाएंगे। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे अनेक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें उपभोक्ता अदालतों से उपभोक्ताओं को पूरा न्याय मिला है लेकिन आपसे यह अपेक्षा तो होती ही है कि आप अपनी बात अथवा दावे के समर्थन में पर्याप्त सबूत तो पेश करें। उपभोक्ता अदालतों की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इनमें लंबी-चौड़ी अदालती कार्रवाई में पड़े बिना ही आसानी से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यही नहीं, उपभोक्ता अदालतों से न्याय पाने के लिए न तो किसी प्रकार के अदालती शुल्क की आवश्यकता पड़ती है और मामलों का निपटारा भी शीघ्र होता है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

हिंसा का सिलसिला बेलगाम

बांग्लादेश में हिन्दू मंदिरों को निशाना बनाने और हिन्दुओं के खिलाफहिंसा का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। शनिवार को मैमन सिंह और दिनाजपुर जिलों में 8 देव मूर्तियों को खंड़ित कर दिया गया। इन घटनाओं की पुष्टि पुलिस ने की है। हिंसा इस कदर बढ़ गई है कि हिन्दूओं के श्मशान घाट तक सुरक्षित नहीं रह गए। शनिवार को नाटोर के काशिमपुर सेंट्रल श्मशान घाट स्थित मंदिर के पुजारी की हत्या किए जाने का समाचार मिला। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, बदमाशों ने पुजारी की नृशंस हत्या के साथही मंदिर में लूटपाट भी की। हालांकि पुलिस इस घटना को ड़कैती की वारदात बता रही है। बहरहाल, जिस तरह हिन्दू मंदिरों और हिन्दुओं को कट्टरपंथी तत्व निशाने पर ले रहे हैं, उससे पता चलता है कि पड़ोसी देश की अंतरिम सरकार धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा नहीं कर पा रही है। उन्हें शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से निरंतर यातना का सामना करना पड़.रहा है। अंतरिम सरकार न केवल अपनी जिम्मेदारी निभा पा रही है, बल्कि भारत पर अनर्गल और आधारहीन आरोप तक लगाए जा रहे हैं। अंतरिम सरकार द्वारा गठित एक जांच आयोग ने कहा है कि उसने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के शासन के दौरान कथित रूप से 'जबरन गायब' करने की घटनाओं में भारत की 'संलिप्तता' पाईहै। सेवानिवृत्त न्यायाधीश मैनुल इस्लाम चौधरी के नेतृत्व वाले इस पांच सदस्यीय जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट 'अनफोल्डिंग द ट्रूथ' हाल में बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार प्रो. मुहम्मद यूनुस को सौंपी है। जांच आयोग अपनी अंतरिम रिपोर्ट में इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर आरोप लगा चुका है कि उन्होंने लोगों को जबरन गायब कराया। आयोग का अनुमान है कि जबरन गायब किए गए लोगों की संख्या तीन हजार से ज्यादा हो सकती है। भारत को कठघरे में लाने का कुत्सित प्रयास करते हुए आयोग ने यह निष्कर्ष भी निकाला है कि कुछ बांग्लादेशी कैदी अब भी भारतीय जेलों में हो सकते हैं। यह प्रयास इस जांच आयोग के अधिकार क्षेत्रसे बाहर है, फिर भी भारत की छवि मलिन करने की गरज से दुर्भावनापूर्ण निष्कर्ष निकाले जा रहे हैं। ऐसी हरकतों से दोनों पड़ोसी देशों के बीच अविश्वास की खाई और चौड़ी होगी। बांग्लोदश की अंतरिम सरकार को भान रहे कि आधारहीन दावों और निष्कर्षों से पनपे अविश्वास के दूरगामी परिणाम होंगे। उसे यह तथ्य भी अनदेखा नहीं करना चाहिए कि उसकी आर्थिकी अभी भी बहुत हद तक भारत पर निर्भर है।

चिंतन-मनन

धर्म की शरण

हर संसारी प्राणी अपनी सुरक्षा के लिए शरण की खोज करता है। प्राणी उपयुक्त शरण मिलने पर उसे स्वीकार भी कर लेता है। बहिर्दर्शी व्यक्ति अपने पारिवारिक जनों को शरण मानता है। परिवार के लोग किसी सक्षम सदस्य को शरण मानते हैं। किंतु वे तुम्हें त्राण और शरण देने में समर्थ नहीं हैं और तुम उनको त्राण या शरण देने में समर्थ नहीं हो। यह आगम-वाणी मनुष्य को अपनी सही स्थिति का बोध देती है। वह जब चारों ओर से अत्राण और अशरण होकर असहाय हो जाता है, उस समय उसकी अंतमरुखी चेतना में चार प्रकार की शरण आविर्भूत होती है- अर्हत्, सिद्ध, साधु और धर्म। ये चार तत्व ऐसे हैं, जो व्यक्ति को शात शरण दे सकते हैं। इन चारों शरणों में तीन तत्व किसी अपेक्षा से परे भी हो सकते हैं किंतु चौथा तत्व धर्म अपना निजी ही है। इसकी शरण में जाने के लिए कोई अपेक्षा नहीं केवल अपनी वृत्तियों को मोड़ने की जरूरत है।

धर्म क्या है? जो सबको समता और शांति का पाठ पढ़ाए, वह धर्म है। जिस धर्म के सहारे सुख-सुविधा के साधन जुटाए जाते हैं, प्रतिष्ठा की कृत्रिम भूख को शांत किया जाता है, प्रदर्शन और आडंबर को प्रोत्साहन दिया जाता है, उस धर्म की शरण स्वीकार करने से शांति नहीं मिल सकती। ऐसा धर्म समता का सूत्र नहीं दे सकता।

धर्म की व्याख्या में अब तक हजारों ग्रंथ लिखे जा चुके हैं, पर उनसे धर्म का सही रूप परिभाषित नहीं हो सका। क्योंकि अधिक व्याख्याकारों ने अपनी धारणा के परिवेश में उसे व्याख्यायित किया है। मेरे अभिमत से धर्म का अर्थ है स्वभाव। स्वभाव को उपलब्ध करने के लिए उसमें रमण करने की जरूरत है। जो व्यक्ति अपने स्वभाव में रमण कर लेता है, वह धर्म की शरण पा लेता है। उसे अपनी शरण उपलब्ध हो जाती है।

धर्म या स्वभाव- रमण का एक सूत्र है- पदार्थ प्रतिबद्धता का अभाव। कोई व्यक्ति अभाव या अतिभाव के कारण पदार्थ से प्रतिबद्ध नहीं होता है, यह वास्तव में धर्म नहीं है। अभाव में जो व्यक्ति संग्रह नहीं करता, वह त्यागी नहीं होता। इसी प्रकार अतिभाव में पदार्थ का विसर्जन करने वाला भी त्यागी नहीं हो सकता।

गिग अर्थव्यवस्था की चुनौतियां

डा. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में प्रकाशित फोरम फॉर प्रोग्रेसिव गिग वर्कर्स के द्वारा आयोजित एक वेबिनार में भारत की गिग अर्थव्यवस्था पर श्वेतपत्र प्रकाशित किया गया है। इसमें जहां भारत में तेजी से बढ़ती हुई गिग अर्थव्यवस्था में तेजी से बढ़ती हुई नौकरियों और चुनौतियों का उल्लेख किया गया है, वहीं कहा गया है कि भारत में गिग अर्थव्यवस्था इस वर्ष 2024 तक 17 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढकर 455 अरब डॉलर के स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है। श्वेत पत्र के अनुसार भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में गिग अर्थव्यवस्था का योगदान वर्ष 2030 तक 1.25 प्रतिशत के स्तर पर होगा। गौरतलब है कि देश में सरकारी क्षेत्र की नौकरियों में कमी आ रही है, लेकिन गिग अर्थव्यवस्था में रोजगार के मौके छलांगे लगाकर बढ़ रहे हैं। गिग अर्थव्यवस्था का मतलब है अनुबंध आधारित या अस्थायी रोजगार (गिग वर्क) वाली अर्थव्यवस्था। गिग अर्थव्यवस्था के तहत गिग वर्कर प्रोजेक्ट दर प्रोजेक्ट आधार पर काम करते हैं और अपनी सेवाएं देते हैं। व्यापक तौर पर कोविड-19 के बाद डिजिटलीकरण के प्रसार ने गिग अर्थव्यवस्था को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। जहां शहरी क्षेत्रों में गिग वर्कर को अभी तक कंस्ट्रक्शन, मैन्यूफैक्चरिंग, डिलिवरीज जैसे श्रम आधारित और कम योग्यता आधारित कार्यों से जोडकर देखा जाता रहा है, वहीं अब गिग वर्किंग के मौके व्हाइट कॉलर जॉब यानी ऐसे कामों में भी बढ़ रहे हैं, जहां उच्च स्तर के कौशल और शिक्षा की जरूरत होती है। उच्च स्तर के कौशल और शैक्षणिक योग्यता के साथ काम के ऐसे मौके ई-कॉमर्स, फिनटेक, हेल्थटेक, लॉजिस्टिक्स, आतिथ्य, बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहे हैं। खास बात यह है कि गिग अर्थव्यवस्था के तहत अब महिलाएं भी पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ावा मिल रहा है। महिलाओं की भागीदारी गिग अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में दिख रही है। चाहे मार्केटिंग हो या फाइनेंस, महिलाएं किसी से पीछे नहीं हैं। इसके साथ ही महिलाएं इस समय फ्रीलांसिंग में भी सबसे ज्यादा दिलचस्पी दिखा रही हैं। उल्लेखनीय है कि गिग अर्थव्यवस्था में रोजगार के मौके बढ? के संबंध में नीति आयोग के आंकड़े भी महत्वपूर्ण हैं। नीति आयोग के मुताबिक देश में इस समय 77 लाख गिग कर्मी हैं। ऐसे कर्मियों की संख्या तेजी से बढ? की उम्मीद जताई जा रही है। इसका कारण यह है कि गिग कर्मियों की व्यवस्था फिलहाल केवल शहरी क्षेत्र में ही है और मुख्य रूप से ये सेवा क्षेत्र में सक्रिय हैं। मगर अब इनका दायरा बढ़ेगा तो गिग कर्मियों की संख्या में भी बढ़ोतरी होगी। नीति आयोग के आकलन के अनुसार भारत में गिग वर्कर्स की संख्या 2030 तक बढकर 2.3 करोड़ के लगभग हो जाएगी। देश में टियर-2 और टियर-3 शहरों में गिग अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। खासतौर से मुंबई, दिल्ली, पुणे, बेंगलूरु, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, इंदौर और चेन्नई सहित देश के छोटे-बड़े शहरों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष गिग नौकरियां निर्मित होते हुए दिखाई दे रही हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इन दिनों देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और रोजगार से संबंधित विषयों पर प्रकाशित हो रही विभिन्न रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि देश में गिग अर्थव्यवस्था के कारण विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर में तेजी से कमी आ रही है और रोजगार के नए मौके बढ़ रहे हैं। चूंकि गिग कर्मचारी अक्सर संगठित और असंगठित श्रम के बीच ग्रे जोन में आते हैं, जिससे लाभ और संसाधन प्रभावित होते हैं, इसलिए बड़ी प्लेटफॉर्म कंपनियां तेजी से गिग श्रमिकों के लिए बेहतर कामकाजी परिस्थितियों को प्राथमिकता दे रही हैं। इसके तहत मानसून के दौरान टिकाऊ रेनकोट प्रदान करने से लेकर आराम करने के क्षेत्र की स्थापना और गर्मी के मौसम के दौरान पानी की सुविधा शामिल हैं। खास तौर से अमेजन, फ्लिपकार्ट, जोमैटो और स्विगी जैसी कंपनियां अपने कर्मचारियों के कल्याण के परिप्रेक्ष्य में सक्रिय रूप से व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए दिखाई दे रही हैं। फिर भी अभी देश में गिग वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा पर पूर्ण रूप से ध्यान दिया जाना होगा। खास तौर से हमें गिग वर्कर्स के लिए भविष्य निधि और पेंशन और बीमा संबंधी कवरेज और लाभों के बारे में सोचना होगा।

इस परिप्रेक्ष्य में नीति आयोग ने ह्यइंडियाज बूमिंग गिग एंड प्लेटफॉर्म इकोनॉमीह्न शीर्षक से जो रिपोर्ट लॉन्च की है, उसके तहत अन्य बातों के साथ ही गिग वर्कर्स और उनके परिवारों के लिए सामाजिक सुरक्षा उपायों का विस्तार करने की सिफारिश की गई, जिसमें बीमा और पेंशन जैसी योजनाएं शामिल हैं। यद्यपि देश में गिग वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा संहिता-2020 अधिनियमित हो चुकी है, लेकिन अभी तक प्रभावी नहीं है। यह संहिता सरकार को जीवन और विकलांगता कवर, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य और मातृत्व लाभ, वृद्धावस्था सुरक्षा और क्रेच लाभ प्रदान करने के लिए गिग श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाएं तैयार करने में सक्षम बनाती है। अब देश में गिग वर्कर्स के लिए ऐसी योजनाएं और नीतियां बीमा कंपनियों के साथ साझेदारी में आगे बढ़ाना होगी, जिसमें एक फर्म या सरकार के सहयोग द्वारा विशिष्ट रूप से ऐसी डिजाइन हो, जैसी कि सामाजिक सुरक्षा संहिता-2020 के तहत परिकल्पित है। दुनिया के कई देशों में गिग वर्कर्स को ह्यवर्कर्सह्न के रूप में वर्गीकृत करके जो मॉडल स्थापित किया गया है, उस पर ध्यान दिया जाना होगा। यह वर्गीकरण गिग वर्करों के लिए न्यूनतम वेतन, सवेतन अवकाश, सेवानिवृत्ति लाभ योजना और स्वास्थ्य बीमा सुरक्षित करता है। गिग वर्करों को राजकोषीय प्रोत्साहन जैसे टैक्स-ब्रेक या स्टार्टअप अनुदान प्रदान किए जा सकते हैं। गिग-प्लेटफॉर्म क्षेत्र की क्षमता का दोहन करने के लिए विशेष रूप से प्लेटफॉर्म श्रमिकों के लिए डिजाइन किए गए उत्पादों के माध्यम से क्षेत्रीय और ग्रामीण व्यंजन, स्ट्रीट फूड, स्व-रोजगार व्यक्तियों को कस्बों और शहरों के व्यापक बाजारों में अपनी उपज बेचने के लिए प्लेटफार्म्स से जोड़ा जा सकता है। देश में गिग वर्कर्स को केवल कुछ ही फर्म ऑन-वर्क दुर्घटना बीमा प्रदान करती हैं। इसे सभी नियोक्ताओं द्वारा प्रदान किया जा सकता है।

कामगारों को संकटपूर्ण समय या सेवानिवृत्ति के लिए बचत करने में मदद करना भी कंपनियों द्वारा गंभीरता से लिया जाना होगा। ऐसा करने का एक तरीका यह हो सकता है कि इनके द्वारा न्यूनतम स्वैच्छिक योगदान किया जाए जो एक कॉर्पस फंड में जमा हो। सरकार के द्वारा शिक्षा, वित्तीय सलाह, विधिक कार्य, चिकित्सा या ग्राहक प्रबंधन क्षेत्रों जैसे उच्च-कौशल गिग वर्कर्स के लिए ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जानी होगी, जिससे भारतीय गिग वर्कर्स के लिए वैश्विक बाजारों तक पहुंच को सुगम बनाया जा सके। इसके साथ ही, सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करने की जिम्मेदारी साझा करने हेतु निष्पक्ष एवं पारदर्शी तंत्र स्थापित करने के लिए सरकारों, गिग प्लेटफॉर्म और श्रम संगठनों के बीच सहयोग की भी आवश्यकता होगी। निश्चित रूप से देश में गिग वर्कर्स को यदि सामाजिक सुरक्षा की छतरी प्रदान की जाएगी, तो गिग वर्कर्स के रूप में काम कर रही देश की नई पीढ़ी के चेहरे पर मुस्कुराहट आ सकेगी और देश गिग वर्कर्स के अधिकतम योगदान से तेज विकास की डगर पर आगे बढ़ेगा। हम उम्मीद करें कि गिग अर्थव्यवस्था भारत के भविष्य के कार्यबल और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी व ऐसे रोजगार सृजन को बढ़ावा देगी, जिससे आय असमानताओं को कम करने और विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देने में सहायता मिलेगी।

(लेखक विख्यात अर्थशास्त्री है)

बिजली विभाग : तय हो महकमे की जवाबदेही

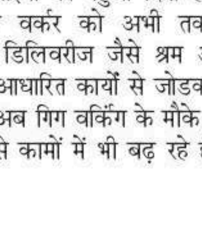

डॉ. दिलीप चौबे

इस समय उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर बिजली विभाग किसी भी रूप से बिजली चोरी करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। अतिक्रमण करने और अवैध कब्जा करने वाले लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई कर अवैध कब्जों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। निश्चित रूप से समाज में संदेश जाना चाहिए कि जो भी गलत काम करेगा उस पर कार्रवाई की जाएगी। ऐसा संदेश जाएगा तो लोग अवैध काम करने से डरेंगे और बेहतर व्यवस्था और अच्छा समाज बनाने में मदद मिलेगी। लेकिन क्या ऐसी कार्रवाई करने की बात इतनी सरल है?

अनेक लोग इस तरह की कार्रवाई को गलत बता रहेहैं। कुछ लोगों का आरोप है कि राजनीतिक द्वेष के कारण भी इस तरह के कदम उठाए जा रहे हैं। सवाल यह है कि क्या नियमित रूप से इस तरह की कार्रवाई की जाती है? क्या नियमित रूप से देखा जाता है कि कहां बिजली चोरी हो रही है, और कहां लोगों ने अवैध रूप से मकान बनाए हुए हैं, या कब्जे किए हुए हैं? हो सकता है कि अपवाद के तौर पर कहीं ऐसा होता हो लेकिन सामान्य तौर पर ऐसा नहीं होता। ज्यादातर मामलों में इस तरह की कार्रवाई किसी शिकायत या फिर अन्य कारणों से होती है।

सवाल है कि सामान्य तौर पर ऐसी कार्रवाई क्यों नहीं होती? सामान्य तौर पर संबंधित कर्मचारी और अधिकारी क्या कर रहे होते हैं? कई मामलों में कर्मचारी और अधिकारी रित लेकर चुप हो जाते हैं, और अवैध काम की तरफ से मुंह मोड़ लेते हैं। निश्चित रूप से भारत लगातार विकास की राह पर अग्रसर है लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि देश में रित का खात्मा नहीं हो सका है। भरे बाजार में बिना नक्शा पास हुए बड़ी-बड़ी बिल्डिंग कैसे बन जाती हैं? किसी सुनसान जगह पर ऐसी बिल्डिंग बने तो बात समझ में आती है कि उस बिल्डिंग पर किसी अधिकारी की नजर नहीं पड़ी होगी। लेकिन ऐसे मुख्य बाजार और ऐसी मुख्य सड़क, जहां से अधिकारी रोज गुजरते हैं, पर भी अवैध निर्माण धड़ल्ले से होते हैं।

समझ से परे है कि ऐसे निर्माण पर अधिकारियों का ध्यान क्यों नहीं जाता। जब ऐसी अवैध इमारतों में कोई हादसा हो जाता है, या इनकी शिकायत की जाती है तो अधिकारी तुरंत हरकत में जा जाते हैं। विपक्ष से जुड़े नेता की बिल्डिंग पर कार्रवाई होने में देर नहीं लगती। इसका सीधा सा अर्थ है कि संबंधित विभाग के कर्मचारी और अधिकारी जानबूझ कर अवैध निर्माण को प्रश्रय देते हैं, और जब अवैध निर्माण हो जाते हैं तो उन्हें ध्वस्त करने का डर दिखा कर उगाही की जाती है। आम तौर पर अवैध इमारतों के मालिकों को पहले नोटिस दिया जाता है। नोटिस देने के बाद ही अवैध निर्माण को ध्वस्त किया जाता है। लेकिन अक्सर नोटिस देने की प्रक्रिया में भी धांधली होती देखी गई है। कई लोगों ने आरोप लगाए हैं कि इमारत गिराने से पहले उन्हें नोटिस नहीं दिया गया। किसी भी रूप से बिजली की चोरी की जाएगी या फिर अवैध निर्माण किए जाएंगे तो इसका असर समाज और अंततः देश पर ही पड़ेगा। ज्यों-ज्यों देश विकसित हो रहा है, त्यों-त्यों देश में बिजली की खपत भी बढ़ रही है। हालांकि पहले की अपेक्षा देश में बिजली उत्पादन बढ़ा है, लेकिन किसी भी तरह से बिजली चोरी होती है तो इसका असर बिजली की कुल क्षमता पर पड़ता है। भले सरकार बिजली निर्माण के लिए कितने भी नये बिजलीघर लगा ले लेकिन बड़े पैमाने पर हो रही बिजली चोरी नहीं रोकी गई तो इन बिजलीघरों का पूरा लाभ देश को नहीं मिल पाएगा। ऐसा नहीं है कि गरीबी के कारण ही लोग बिजली चोरी करते हैं, बड़ी-बड़ी औद्योगिक इकाइयां भी बिजली चोरी करती पकड़ी जाती हैं।

पहले से ज्यादा शिक्षित समाज के कुछ लोगों को अवैध काम करने में न ही शर्म आती है, और न किसी तरह का डर होता है। अवैध काम करने के पीछे सारा दोष हमारी मानसिकता का है। इसी मानसिकता के चलते पहले हम गलत काम करते हैं, और बाद में रित देकर गलत काम को वैधता प्रदान करने की कोशिश करते हैं। कोढ़ में खाज यह कि प्रशासन और संबंधित कार्यालय पहले हाथ पर हाथ रख कर बैठा रहता है, और बाद में खुद को ईमानदार साबित करने की कोशिश करता है।

यही कारण है कि इस सारी व्यवस्था में दोनों पक्ष यानी जिन पर कार्रवाई होती है, और जो कार्रवाई करते हैं, कहीं न कहीं भ्रष्टाचार के सागर में गोते लगाते नजर आते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह कि बिजली चोरी और अवैध निर्माण करने वालों पर तो कार्रवाई हो जाती है, लेकिन संबंधित विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं होती। बेहतर तो यह होगा कि ऐसे मामलों में विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों की भी जवाबदेही तय हो। उनसे पूछा जाए कि जब इस तरह के अवैध काम हो रहे थे तो वे कहां थे। निश्चित रूप से इस प्रक्रिया से एक बेहतर व्यवस्था बनाने में मदद मिलेगी।

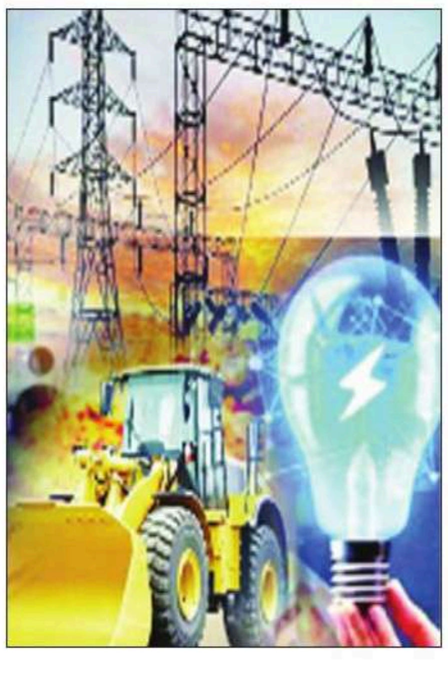

टूटे हुए कांच के टुकड़ों का कुछ इस तरह से करें रियूज

अक्सर हम सभी टूटे हुए कांच के टुकड़ों को फेंक देते हैं। लेकिन अब जब भी आपको टूटे हुआ कांच मिले तो उसे फेंकने की बजाय उसका नए तरीके से इस्तेमाल करें। आप कांच के टुकड़ों से कई चीजें बना सकती हैं और पुरानी चीजों को नया लुक भी दे सकती हैं। जी हां, यह एक दम सच है। आज हम आपको बताएंगे कि आप टूटे हुए कांच के टुकड़ों से आप क्या-क्या बना सकती हैं। चलिए जानते हैं इसके बारे में।

फ्रेम बनाएं

अगर आप टूटे कांच को फेंक देती हैं तो अगली बार ऐसा न करें क्योंकि आप टूटे हुए कांच से घर की दीवारों को सजा सकती हैं। जी हां, आप कांच के टूटे हुए टुकड़ों से एक बेहद ही सुंदर फ्रेम बना सकती हैं। यह फ्रेम आपके घर की दीवारों की खूबसूरती बढ़ाएगा। साथ ही कुछ सावधानियां बरतते हुए आप आसानी से कांच से फ्रेम बना सकती हैं। चलिए जानते हैं इसे बनाने का तरीका।

आवश्यक सामान

- कैनवास
- कांच के टूटे हुए टुकड़ें
- फैब्रिक पेंट
- ग्लू

बनाने का तरीका

- कांच के टूटे हुए टुकड़ों से फ्रेम बनाने के लिए सबसे पहले आपको एक कैनवास चाहिए होगा। आप कैनवास का साइज अपने घर की दीवार के हिसाब से चुन सकती हैं।
- इसके बाद फ्रेम को अट्रैक्टिव लुक देने के लिए आपको कांच के टुकड़ों को पेंट करना होगा।
- कांच के टुकड़ों को अलग-अलग कलर्स से पेंट कर लें।
- पेंट करने के बाद उन्हें सूखने के लिए कुछ देर हल्की धूप में रख दें।
- जब कांच पर पेंट सूख जाएं इसके बाद व्हाइट कैनवास पर इन्हें ग्लू की मदद से चिपका लें।
- आप चाहें तो कांच के टुकड़ों को किसी पैटर्न में भी चिपका सकती हैं। इससे आपका फ्रेम मीनिंगफुल लगेगा
- लीजिए तैयार है आपका कांच के टुकड़ों से बना फ्रेम।

टेबल टॉप सजाएं

अगर आप फर्नीचर पुराना हो गया है तो आप अपने टेबल की टॉप को कांच के टुकड़ों से सजा सकती हैं। इससे आपके टेबल टॉप को नया लुक मिल जाएगा और अब आप दोबारा इसका इस्तेमाल कर पाएंगी। चलिए जानते हैं कैसे सजाएं कांच के टुकड़ों से टेबल टॉप को।

आवश्यक सामान

- कांच के टुकड़े
- ग्लू
- टेबल

बनाने का तरीका

- अगर आपका टेबल पुराना हो गया है तो उसे नया लुक देने के लिए आप कांच के टुकड़ों से टेबल के टॉप को सजा सकती हैं।
- इससे आपके टेबल को एक नया लुक मिलेगा।
- टेबल टॉप को सजाने के लिए सबसे पहले लकड़ी के टेबल पर ग्लू की मदद से कांच के टुकड़ों को चिपका लें।
- आप कांच के टुकड़ों को किसी भी तरीके से चिपका सकती हैं।
- लीजिए तैयार है आपका नया टेबल टॉप।

गमला सजाएं

अब आपको बाजार से मंहगे और सजावटी गमले खरीदने की जरूरत नहीं होगी क्योंकि अब आप बेहद ही कम पैसे खर्च करके आसानी से घर पर गमले को सजा सकती हैं। आप कांच के टुकड़ों से गमला भी सजा सकती हैं। इसके लिए बस आपको कोई पुराना गमला चाहिए होगा। चलिए जानते हैं इसे कैसे बनाया जाता है।

आवश्यक सामान

- गमला
- कांच के टुकड़े
- फ्रैबिक कलर्स
- ग्लू

बनाने का तरीका

- गमले को नया लुक देने के लिए सबसे पहले उसे अच्छे से साफ कर लें।
- इस बात का ध्यान रखें कि गमले के बाहरी हिस्से पर किसी भी प्रकार की गंदगी जमी नहीं होनी चाहिए।
- इसके बाद कांच के टुकड़ों को एक ही कलर से पेंट कर लें।
- एक ही रंग आपके गमले को और भी सुंदर बनाएंगे।
- पेंट करने और सूखने के बाद ग्लू की मदद से एक-एक करके कांच के टुकड़ों को गमले पर चिपका लें।
- इस प्रकिया को तब तक दोहराएं जब कि आप पूरे गमले पर कांच के टुकड़े नहीं चिपका लेती हैं।
- लीजिए तैयार है आपका खूबसूरत गमला।

इन बातों का रखें खास ध्यान

- आपको कांच के टुकड़ों को पकड़ने के लिए गलव्स का इस्तेमाल करना चाहिए।
- इन कांच से बनी चीजों को अपने बच्चों की पहुंच से दूर रखें।
- इस बात का ध्यान रखें कि जब आप कांच के टुकड़ों से चीजें बना रही हों तो आपके आस- पास लोग न हों।

आपके पसंदीदा रंग में छिपा है आपके व्यक्तित्व का राज

हर व्यक्ति का अपना पसंदीदा रंग होता है। पसंदीदा न होने पर भी, हर किसी की रंगों के लिए कुछ प्राथमिकताएं जरूर होती हैं। आमतौर पर हर कोई अपनी पसंद के रंग के हिसाब से ही कपड़े पहनता है। रंग का चुनाव ऐसा होता है जो आपके बारे में बहुत कुछ बताता है कि आप कैसे कार्य करते हैं, आपका व्यक्तित्व कैसा है, आपका स्वभाव कैसा है और दूसरे आपको कैसे देखते हैं। वैसे जरूरी नहीं है कि आपके व्यक्तित्व का रंग वही हो जो आप हमेशा पहनते हैं, यह आमतौर पर वह रंग होता है जो आपको सबसे ज्यादा उत्साहित करता है। लेकिन ये वास्तविकता है कि किसी भी व्यक्ति का पसंदीदा रंग उसके बारे में बहुत कुछ बयां करता है।

काला रंग

यदि आपको काला रंग पसंद है, तो इस बात की तरफ इशारा करता है कि आप स्वभाव से शर्मीले हैं लेकिन जब भी स्थिति की आवश्यकता हो, अपने मन की बात कहने में विश्वास करें। आप आसानी से निराश नहीं होते हैं और जीवन की हर बाधा को दूर करने का प्रयास करते हैं। आप शक्ति और नियंत्रण के लिए प्रयास करते हैं, आप अपनी बातों को गोपनीय रखने पर जोर देते हैं और किसी के सामने खुली किताब की तरह नहीं आते हैं। केवल करीबी दोस्त और रिश्तेदार ही जानते हैं कि आपके जीवन में क्या महत्वपूर्ण है। आप अपने आस-पास और अपने द्वारा की जाने वाली चीजों में भी निर्मलता बनाए रखना पसंद करते हैं।

लाल रंग

लाल रंग आमतौर पर खतरे का संकेत देता है। हालांकि, रंगों का अर्थ विभिन्न पहलुओं में अलग-अलग होता है। अगर आपको लाल रंग पसंद है तो बताता है कि आप बाहरी दुनिया को पसंद करने वाले स्वभाव के हैं। आप आसानी से दोस्त बना सकते हैं और अजनबियों से बात कर सकते हैं। आप अपना जीवन एक राजा या रानी की तरह जीने में विश्वास रखते हैं। आप बिना किसी डर के अपने सपनों (जानें सपनों का मतलब) को समर्पित रहते हैं और उनके पीछे भागते हैं। इतना ही नहीं आप हर हाल में अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश करते हैं।

गुलाबी रंग

आपका व्यक्तित्व आकर्षक है और आप अपने आस-पास के लोगों को सहज महसूस कराते हैं। आप स्वभाव से भावुक हैं और अपनी भावनाओं का सामना करने से नफरत करते हैं। आप अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन को संतुलित बनाए रखना पसंद करते हैं क्योंकि आप दोनों को समान रूप से महत्व देते हैं। आप सपने देखने वाले स्वतंत्र उत्साही स्वभाव के व्यक्ति हैं।

नीला रंग

आपकी पसंद के रंग के हिसाब से ऐसा हो सकता है कि जब आप बहुत ही मधुर और मृदुभाषी दिखने की कोशिश करते हैं, तो लोगों को यह नहीं पता होता है कि आपके पास एक और पक्ष है जहां आप कठिन परिस्थितियों में अपने लिए खड़े हो सकते हैं। आप वफादार हैं और दोस्तों और परिवार के बहुत करीब हैं। आप स्वभाव से बहुत अधिक संवेदनशील भी हैं और नाटकीय परिस्थितियों को प्रोत्साहित नहीं करते हैं।

हरा रंग

यदि आपका पसंदीदा रंग हरा है तो आप एक स्वतंत्र उत्साही व्यक्ति हैं और जीवन में रोमांच का आनंद लेते हैं। आप एक अत्यंत सामाजिक, अविश्वसनीय, स्नेही और वफादार व्यक्ति हैं। हालांकि, आप अक्सर बेचैन रहते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आप एक चतुर व्यक्ति हैं, जो व्यापार प्रवृत्तियों के बारे में सहज समझ रखते हैं।

सफेद रंग

आप हर चीज में अच्छाई देखना पसंद करते हैं। आप एक ऐसे व्यक्ति हैं जो लोगों को शांत कर सकते हैं और स्वयं शांत रहने में विश्वास करते हैं। आप अक्सर अपने शब्दों को सावधानी से चुनते हैं और हर कोई आपके बारे में बहुत कुछ नहीं जानता है। आप एक दयालु आत्मा हैं और लोगों की मदद करने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं, भले ही वे अजनबी क्यों न हों।

पीला रंग

यह परिभाषित करता है कि आप एक बहुत ही दिलकश स्वभाव के व्यक्ति हैं। आप आशावादी हैं और गलत होने वाली चीजों को छोड़ने से इंकार करते हैं। आप बहुत ज्यादा भरोसेमंद हैं और हमेशा जीवन के उज्जवल पक्ष को देखते हैं। आप गौरवशाली हैं और किसी भी जगह पर अपनी राय देने से डरते नहीं हैं। आपके व्यक्तित्व की वजह से लोग आपकी कंपनी पसंद करते हैं।

पर्पल कलर

आप एक कहानीकार हैं और दूसरे लोगों के विचार और राय सुनना पसंद करते हैं। आप स्वभाव से होशियार और मजाकिया हैं। आपको लोगों को सलाह देना पसंद है और आप इसे अपने दिल से पसंद करते हैं। आप स्वभाव से स्वतंत्र हैं और अपने आप में ऐसी क्षमता रखते हैं जो आपको दूसरों से अलग बनाती है।

इस तरह आपके पसंद के रंगों से आपके व्यक्तित्व का पता लगाया जा सकता है। हालांकि ये एक सामान्य अवधारणा है और हर एक व्यक्ति के हिसाब से अलग प्रभाव डालती है।

साड़ी के साथ स्टाइल की जा सकती हैं यह डिफरेंट स्टाइल बेल्ट

अगर आप एक सिंपल तरीके से साड़ी को पहन रही हैं और उसमें भी अपने लुक को खास बनाना चाहती हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसके साथ बेल्ट को स्टाइल करें। साड़ी के साथ बेल्ट का चलन पिछले कुछ समय से काफी बढ़ गया है। जिसके कारण आप कई तरह की बेल्ट्स को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं।

साड़ी हमेशा ही भारतीय महिलाओं के स्टाइल का एक अहम हिस्सा रही है। चाहे घर हो या ऑफिस, महिलाएं इसे हर जगह पहनना पसंद करती हैं। साड़ी आउटफिट के साथ सबसे अच्छी बात यह है कि आप इसे कई अलग-अलग तरीकों से बेहद आसानी से स्टाइल कर सकती हैं और इस तरह आपको हर बार एक न्यू लुक मिलता है। हालांकि, अगर आप एक सिंपल तरीके से साड़ी को पहन रही हैं और उसमें भी अपने लुक को खास बनाना चाहती हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसके साथ बेल्ट को स्टाइल करें। साड़ी के साथ बेल्ट का चलन पिछले कुछ समय से काफी बढ़ गया है। जिसके कारण आप कई तरह की बेल्ट्स को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं। तो आज हम आपको कुछ ऐसी बेल्ट्स के बारे में बता रहे हैं, जो साड़ी के साथ बेहद अच्छी लगती हैं और आप भी उसे आसानी से कैरी कर सकती हैं।

लेदर बेल्ट

अगर आप एक स्टाइल एक्सपेरिमेंट करना चाहती हैं तो ऐसे में आप लेदर बेल्ट को अपने स्टाइल का हिस्सा बनाएं। आमतौर पर, लेदर बेल्ट को जींस या पैंट सूट के साथ पेयर किया जाता है। लेकिन अगर आप साड़ी में अपने स्टाइल को यूनिक बनाना चाहती हैं तो लेदर बेल्ट को स्टाइल करें। हालांकि, लेदर बेल्ट को साड़ी के साथ पहनते समय ध्यान दें कि आपकी साड़ी का कलर भी थोड़ा लाइट ही हो।

वाइड बेल्ट

अगर आप अपनी बेल्ट को ही अपने ओवर ऑल लुक में सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बनाना चाहती हैं तो ऐसे में आप एक वाइड बेल्ट को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं। साड़ी के साथ वाइड बेल्ट देखने में काफी अच्छी लगती हैं। इन वाइड बेल्ट में आप मैचिंग बेल्ट से लेकर एंब्रायडिड बेल्ट का ऑप्शन चुन सकती हैं।

मैचिंग बेल्ट

यह एक ऐसा लुक है, जो अमूमन महिलाओं को इन दिनों काफी पसंद आ रहा है। इस लुक में आप अपनी साड़ी से मैचिंग बेल्ट को स्टाइल करें। आमतौर पर, इस लुक में आपकी साड़ी से मैचिंग ब्लाउज होता है और उसी मैचिंग फैब्रिक व कलर की बेल्ट को आप साथ में स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह आपको बेल्ट में एक सटल लुक मिलता है, जो देखने में काफी अच्छा लगता है।

एंब्रायडिड बेल्ट

अगर आप किसी पार्टी के लिए रेडी हो रही हैं तो ऐसे में आप एंब्रायडिड बेल्ट के ऑप्शन को चुन सकती हैं। यह बेल्ट आपके लुक को बेहद स्टनिंग बनाता है। इस बेल्ट की मदद से एक सिंपल साड़ी को भी डिजाइनर लुक दे सकती हैं। आप चाहें तो फ्रिल साड़ी के साथ भी एंब्रायडिड बेल्ट को स्टाइल कर सकती हैं।

थिन सिल्वर बेल्ट

यह आपको एक बेहद ही एलीगेंट लुक देता है। इस लुक में आप प्लेन साड़ी के साथ भी थिन सिल्वर बेल्ट को स्टाइल कर सकती हैं। इसे आप केजुअल्स से लेकर पार्टी तक में आसानी से कैरी कर सकती हैं। इस बेल्ट की खासियत यह है कि इसे किसी भी तरह की साड़ी के साथ आसानी से स्टाइल किया जा सकता है।

ब्लैक बेल्ट

अगर आप एक ऐसी बेल्ट की तलाश में हैं जो हर तरह की साड़ी के साथ जचे तो ऐसे में आप ब्लैक बेल्ट को अपनी साड़ी के साथ स्टाइल कर सकती हैं। आप ब्लैक बेल्ट में भी डिफरेंट स्टाइल के ऑप्शन को चुन सकती हैं। खासतौर से, रेड कलर साड़ी के साथ ब्लैक बेल्ट बेहद ही स्टनिंग लुक देती है।

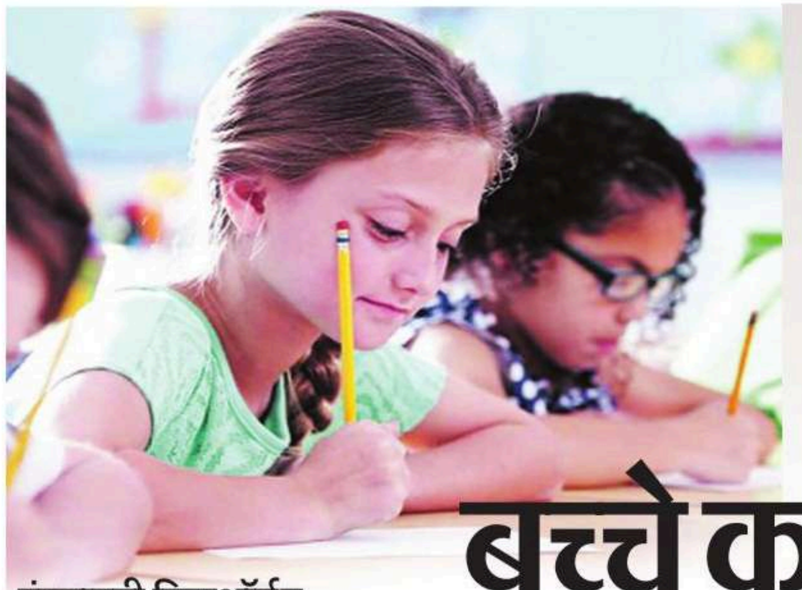

बच्चे का हौसला बनें

सारा साल पढ़ाई स्कूल जाने के बाद बच्चों में जहां फाइनल एग्जाम का डर बना रहता है, वहीं इस बात की खुशी भी होती है कि वह नई क्लास में जाने वाले हैं। इसी के साथ पेरेंट्स को यह परेशानी सताती है कि कहीं इस बार पढ़ाई में उनके बच्चे के आगे कोई और स्टूडेंट न निकल जाए। अव्वल आने की इस होड़ में पेरेंट्स द्वारा बनाया गया दवाब उनके लिए मानसिक परेशानी बन जाता है। ऐसे में बच्चो को डांट-फटकार कर पढ़ाने की बजाए उनकी प्रॉब्लम को समझने की जरूरत है। कई बार तो कुछ पेरेंटस बच्चों को न पढ़ने पर सजा भी देते हैं, जो कि बिल्कुल गलत बात है। मनोविज्ञानिक भाषा में इस समस्या को एंग्जाइटी डिसऑर्डर कहते हैं। बच्चे को इसमें धकेलने की बजाए इससे निकालने की कोशिश करें।

एंग्जाइटी डिसऑर्डर

बहुत से बच्चों में यह समस्या देखने को मिलती है। इस समस्या के कारण उनका स्वभाव बहुत ही चिड़चिड़ा हो जाता है, जिसके कारण वह जो कुछ भी परीक्षा के लिए याद करते है वह सब कुछ भूल जाते हैं। फेल होने का डर, आत्मविश्वास में कमी भी इसी समस्या की निशानी है। कई बार तो तनाव से ग्रसित बच्चे घर से स्कूल के लिए निकल जाते हैं लेकिन स्कूल पहुंचते ही नहीं। इसी वजह से कुछ बच्चे गलत संगत में भी फंस जाते हैं। ऐसे में माता-पिता को उसे डांट कर पढ़ाने की बजाए प्यार से समझाने की जरूरत है। पढ़ाई में आने वाली मुश्किलों के लिए डांटें नहीं बल्कि उनकी मदद करें। इन तरीकों से तनाव रहित कर सकते हैं।

टाइम-टेबल को दें अहमियत

अगर आप चाहते है कि आपके बच्चे परीक्षा के दिनों में घबराएं नहीं तो आप शुरू में ही उनकी पढ़ाई का टाईम-टेबल बनाएं ताकि समय रहते उनका पाठ्यक्रम पूरा कर सकें। जिससे बाद में उन्हें स्लेबस दोहराने का भी टाईम मिल जाए। इसे अपनाने से उन्हें परीक्षा के दिनों में किसी तरह का डर नहीं रहेगा और वह जो भी याद करेंगे, उसे कभी भी भूलगा नहीं।

पेपर पैटर्न को समझना जरूरी

एग्जाम में बैठने से पहले बच्चों को पेपर का तरीका समझने की बहुत जरूरत होती है। इससे बच्चे को किसी तरह की कंफ्यूजन नहीं रहेगी। ऐसे में आप बच्चे को पिछली बार का पैटर्न पेपर हल करने को दें। इस से भी उनका तनाव बहुत कम होगा। फाइनल परीक्षा में उसे किसी तरह की घबराहट नहीं होगी।

परीक्षा में जाने से पहले

डेट शीट आ जाने पर खुद भी बच्चे के साथ कमर कस लें। उसे पौष्टिक आहार खिलाएं ताकि किसी तरह की कमजोरी उसके प्रदर्शन में बाधा न बने। दूध, ड्राई फ्रूट, दहीं, सूप, सलाद आदि बैस्ट हैं। उस पर किसी तरह का दवाब न डालें, कुछ भी नया पढ़ाने की कोशिश न करें। ऐसा करने से वह पहला पढ़ा भी भूल सकता है। पढ़ाई के अलावा थोड़ा हंसी-मजाक, गेम्स या फिर उसका फेवरेट प्रोग्राम भी देखने को दें लेकिन इसका समय सीमित होना बहुत जरूरी है। इससे वह परीक्षा अच्छे से दे पाएगा।

परीक्षा शुरू होने पर

सबसे पहले परीक्षा में वहीं प्रश्न का जबाव देने की सलाह दें जो उन्हें अच्छी तरह से आता हो। बच्चें प्रश्न पत्र को पढ़ने में हड़बड़ी न करें। अगर आपको किसी प्रश्न का जबाव नहीं आता। उस पर उलझे रहने की बजाए अगले सवाल को हल करें। सारा पेपर हल करने पर इसे जमा करने से पहले एक बार जांच लें। समय सीमा के बारे में बच्चे को बताना भी बहुत जरूरी है।

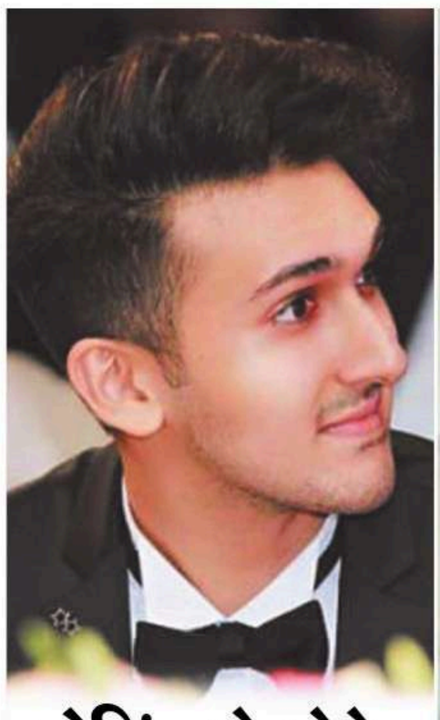

गोविंदा के बेटे यशवर्धन करेंगे बॉलीवुड डेब्यू?

अपने शानदार अभिनय, अपने चार्म और अनोखे डांस स्टाइल से सभी दर्शकों का दिल जीतने वाले गोविंदा भारतीय सिनेमा के हीरो नंबर वन हैं। अब वही हूनर और जादू उनके बेटे यशवर्धन दिखा पाते है या नहीं ये तो उनकी डेब्यू फिल्म आने पर ही पता चलेगा। निर्देशक साई रंजन की लव स्टोरी फिल्म से यशवर्धन बॉलीवुड डेब्यू करेंगे।

यशवर्धन इस फिल्म से करेंगे डेब्यू

बॉलीवुड स्टार किड्स में से एक हैं गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यशवर्धन जल्द ही बॉलीवुड फिल्मों में अपना करियर शुरू करने वाले हैं। वह निर्देशक साई रंजन की एक शानदार लव स्टोरी से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाले हैं। यह फिल्म एक रोमांटिक लव स्टोरी होगी।

साई रंजन करेंगे फिल्म का निर्देशन

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यशवर्धन की इस आगामी फिल्म का टाइटिल अभी तय नहीं किया गया है, लेकिन इतना जरूर तय है कि यह एक रोमांटिक लव स्टोरी होगी और जिसका निर्देशन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता साई रंजन करेंगे।

नए चेहरे को लॉन्च करना चाहते हैं फिल्ममेकर्स

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस लव स्टोरी फिल्म में यशवर्धन आहूजा को इसलिए लिया गाया है कि क्योंकि साई इस फिल्म में एक फ्रेश चेहरे को लॉन्च करना चाहते थे। फिल्म में यशवर्धन के अपोजिट कौन सी हीरोइन होगी, ये अभी तक तय नहीं हो पाया है। फिल्म 2025 की गर्मियों की छुट्टियों में रिलीज हो सकती है।

कई फिल्मों के असिस्टेंट डाइरेक्टर रह चुके हैं यशवर्धन

फिल्मों में बतौर अभिनेता कास्ट होने से पहले गोवांदा के बेटे यशवर्धन कई निर्दशकों को असिस्टेंट कर चुके हैं। यशवव्धन ने निर्माता-निर्देशक साजिद नाडियावाला की फिल्म किक 2, तड़प और फिल्म ढिशुम में बतौर असिस्टेंट डाइरेक्टर काम किया है।

यशर्धन का डांस हुआ था वायरल

गोविंदा के बेटे यशवर्धन को प्यार से उन्हें लोग यश बुलाते हैं। अप्रैल 2024 में गोविंदा के बेटे यशवर्धन का एक डांस वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था। नेटिजन्स ने यशवर्धन के इस डांस को खूब पसंद किया था और जमकर कमेंट्स भी किए थे।

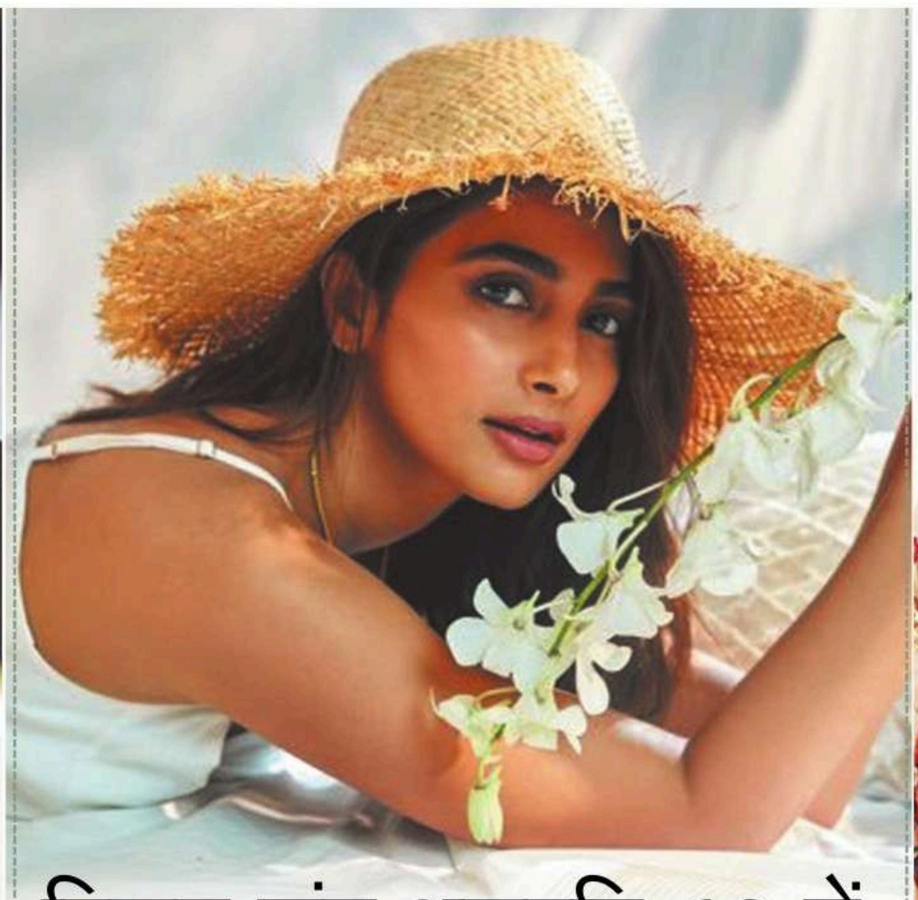

विजय संग थलपति 69 में नजर आएंगी पूजा हेगड़े

अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर चेन्नई में अपनी मोस्ट अवेटेड 'थलपति 69' की शूटिंग की झलक दिखाई। फिल्म में अभिनेत्री के साथ थलापति विजय लीड रोल में हैं। सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वाली अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर अपनी खुशी जाहिर की है। शेयर की गई तस्वीर में 'चेन्नई मॉर्निंग्स डे 16' लिखा दिखाई दिया। उन्होंने बताया कि उनका दिन सुबह 6.30 बजे शुरू हो चुका है। 'थलपति 69' के साथ पूजा हेगड़े विजय के साथ पहली बार काम करने जा रही हैं। थलापति और पूजा की आगामी फिल्म एच. विनोद द्वारा निर्देशित और केवीएन प्रोडक्शंस के बैनर तले वेंकट के. नारायण द्वारा निर्मित है। विजय के राजनीति में एंट्री के बाद से थलपति 69 और भी खास हो गई है।

फिल्म में विजय और पूजा हेगड़े के साथ गौतम वासुदेव मेनन, प्रकाश राज, नारायण, प्रियामणि, ममिता बैजू, मोनिशा ब्लेसी और वरलक्ष्मी शरतकुमार जैसे सितारे अहम रोल में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में विजय एक निलंबित पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे, जो एक खास मिशन के लिए अपनी शक्ति वापस पाता है। 'थलपति 69' अक्टूबर 2025 में रिलीज होगी। फिल्म की शुरुआत 4 अक्टूबर को पारंपरिक पूजा समारोह के साथ हुई। फिल्म मेकर्स ने पहले दिन की तस्वीर

साझा की थी। पूजा हेगड़े के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री की झोली में 'देवा' भी है। एक्शन-ड्रामा फिल्म में पूजा के साथ लीड रोल में शाहिद कपूर हैं। फिल्म 31 जनवरी 2025 को रिलीज होगी। इसके अलावा उनकी झोली में सुपरस्टार सूर्या के साथ एक अनटाइटल्ड फिल्म 'सूर्या 44' और रोमांटिक-कॉमेडी 'है जवानी तो इश्क होना है' भी है।

मौनी रॉय ने अपने आगामी प्रोजेक्ट सलाकार के साथ फैंस को दिया सरप्राइज

मौनी रॉय ने सोशल मीडिया पर एक रोमांचक घोषणा से अपने प्रशंसकों को रोमांचित कर दिया है। एंटरप्रेन्योर-अभिनेत्री ने अपने आगामी प्रोजेक्ट सलाकार के सेट से पर्दे के पीछे की तस्वीरें साझा कीं। पोस्ट में क्लैपबोर्ड की एक तस्वीर दिखाई गई, जिसमें वह निर्देशक फारुक कबीर के साथ पोज दे रही हैं, और एक सेट पर उनके कैंडिड मोमेंट की झलक भी दी गई। पोस्ट को कैप्शन देते हुए मौनी ने लिखा, मेस्ट्रो और म्यूज तैयार हो जाइए 2025 के लिए ह्हैप्पीस्टोनसेट अभिनेत्री ने उनके अनुयायियों को प्रत्याशा से भर दिया। फैंस अपनी उत्तेजना व्यक्त करते हुए इस प्रोजेक्ट और मौनी की भूमिका के बारे में अनुमान लगा रहे हैं। हालांकि, विवरण अभी तक गोपनीय हैं, फिल्म की रिलीज़ 2025 में तय की गई है, जो इस अभिनेत्री के लिए एक रोमांचक साहसिक कार्य के रूप में और अधिक जिज्ञासा पैदा कर रही है। अपनी अभिनय करियर के अलावा, मौनी रॉय एक उद्यमी के रूप में भी अपनी छाप छोड़ रही हैं। वह बदमाश नामक एक रेस्टोरेंट चेन की मालिक हैं। स्क्रीन पर हो या बाहर, मौनी अपने फैंस को जोड़े रखती हैं और प्रेरित करती रहती हैं।

अमीषा पटेल का करारा पलटवार

अनिल शर्मा पर भड़कीं

'गदर 2' की रिलीज के बाद से अनिल शर्मा और अमीषा पटेल के बीच विवाद ने जन्म ले लिया। दोनों के बीच यह तब शुरू हुआ जब अनिल शर्मा ने एक साक्षात्कार में कहा कि अभिनेत्री सास की भूमिका निभाने से बच रही थी। हालांकि, बाद में वह इसके लिए तैयार हो गईं। अब यह बसह तूल पकड़ती जा रही है। निर्देशक के बयान पर अभिनेत्री अमीषा पटेल ने अब अपनी प्रतिक्रिया दी है। अभिनेत्री ने 'गदर 2' के निर्देशक अनिल शर्मा की टिप्पणियों का जवाब दिया, जहां उन्होंने सुझाव दिया था कि उन्हें अपने चरित्र के विकास के हिस्से के रूप में सास की भूमिका निभानी चाहिए। मोटी रकम मिलने के बाद भी अभिनेत्री ने कह दिया था कि उन्हें इस तरह की भूमिका में कोई दिलचस्पी नहीं है। हाल ही में निर्देशक अनिल शर्मा ने एक साक्षात्कार में, बताया कि अमीषा पटेल ने शुरू में 'गदर 2' में सास की भूमिका निभाने में झिझक दिखाई थी। निर्देशक ने अभिनेत्री नरगिस दत्त की 'मदर इंडिया' में एक मां की भूमिका निभाने का उदाहरण देते हुए यह कहा कि अभिनेत्रियों को उम्र बढ़ने के साथ अधिक परिपक्व भूमिकाएं निभाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

अमीषा पटेल ने दी प्रतिक्रिया

निर्देशक अनिल शर्मा के इस बयान पर अभिनेत्री अमीषा पटेल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ट्विटर पर एक स्क्रीनशॉट साझा किया। अपनी पोस्ट में निर्देशक के प्रति अपना सम्मान जताते हुए उन्होंने कहा कि वह 100 करोड़ जैसी बड़ी रकम के लिए भी कभी सास की भूमिका नहीं निभाएंगी। अभिनेत्री ने लिखा, प्रिय अनिलजी। यह केवल एक फिल्म है और किसी परिवार की वास्तविकता नहीं है। इसलिए स्क्रीन पर मुझे यह कहने का अधिकार है कि मुझे क्या करना है और क्या नहीं करना है। मैं आपका बहुत सम्मान करती हूं, लेकिन 'गदर' या किसी भी फिल्म में सास का किरदार कभी नहीं निभाऊंगी, भले ही इसके लिए 100 करोड़ रुपये क्यों न दिए जाएं।

'कहो ना प्यार है' से किया था डेब्यू

अमीषा पटेल ने साल 2000 में फिल्म कहो न प्यार है से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने हमराज, गदर एक प्रेम कथा, मंगल पांडे, ये है जलवा जैसी कई फिल्मों में काम किया। अभिनेत्री ने इंडस्ट्री में अपने अभिनय के दम पर एक अलग पहचान बनाई और लोगों की पसंदीदा बन गए।

कबीर खान ने धर्मा प्रोडक्शंस के साथ मिलाया हाथ

कबीर खान अपनी अगली फिल्म के लिए कमर कस रहे हैं। बजरंगी भाईजान जैसी यादगार हिट देने के बाद निर्देशक अब करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के साथ मिलकर एक एक्शन से भरपूर थ्रिलर की तैयारी कर रहे हैं। फिल्म फिलहाल अपने प्री-प्रोडक्शन चरण में है। वहीं, इसकी कास्टिंग को लेकर दिलचस्प रिपोर्ट सामने आई है। इसने प्रशंसकों का खासा ध्यान आकर्षित किया है।

कबीर खान ने धर्मा प्रोडक्शंस के साथ मिलाया हाथ

कबीर खान की नवीनतम परियोजना एक हाई ऑक्टेन एक्शन-थ्रिलर फिल्म होगी, और निर्देशक इसके लिए एक बड़े स्टार की तलाश कर रहे हैं। इतना ही नहीं चर्चा है कि सलमान खान और विक्की कौशल दोनों प्रतिष्ठित भूमिका के लिए दौड़ में हैं। जानकारी के अनुसार, कबीर खान करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के साथ मिलकर एक व्यावसायिक एक्शन फिल्म विकसित कर रहे हैं। इस फिल्म के लिए कास्टिंग के लिए दमदार उपस्थिति वाले स्टार की जरूरत है और कबीर मुख्य भूमिका के लिए सलमान खान और विक्की कौशल दोनों पर विचार कर रहे हैं।

विक्की और सलमान के बीच कांटे की टक्कर!

कथित तौर पर दोनों कलाकार इस फिल्म में रुचि दिखा रहे हैं। हालांकि, स्क्रिप्ट के अंतिम मसौदे पर अभी भी चर्चा चल रही है। निर्माताओं को उम्मीद है कि सलमान या विक्की में से कोई एक इसे साइन करेगा और फिल्म के साल 2025 के अंत तक फ्लोर पर जाने की उम्मीद है। कबीर और करण को भरोसा है कि वे हाई-बजट एक्शन थ्रिलर के लिए दो सितारों में से एक को साइन कर लेंगे।

सलमान खान का वर्कफ्रंट

सलमान खान अपनी आगामी फिल्म सिकंदर की शूट में व्यस्त हैं। यह फिल्म अगले साल ईद के अवसर पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। हाल ही में उन्होंने फिल्म के एक टीजर की शूटिंग पूरी की है जिसका खुलासा उनके जन्मदिन पर किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, अभिनेता उसी दिन फिल्म से अपना पहला लुक भी जारी करेंगे।

लव एंड वॉर की शूटिंग में व्यस्त हैं विक्की

विक्की कौशल की बात करें तो वह छावा की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं और वर्तमान में संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर पर काम कर रहे हैं।

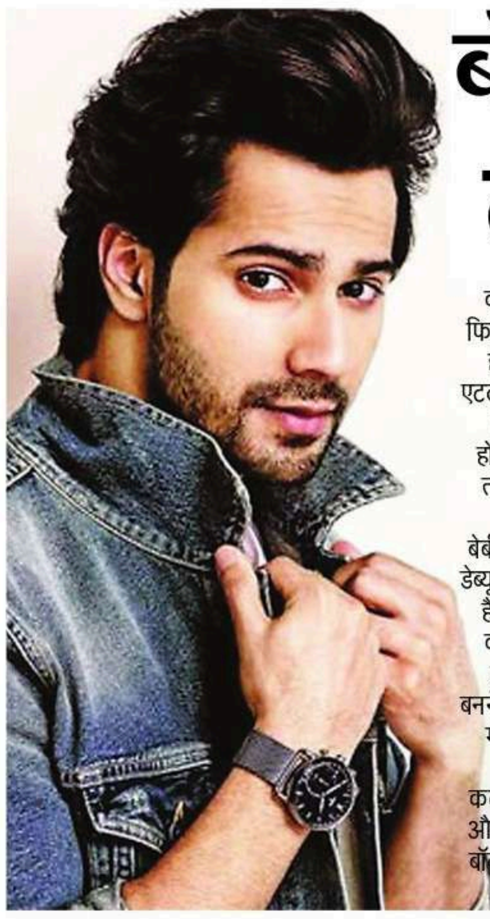

बॉलीवुड के अल्लू अर्जुन बन सकते हैं वरुण

वरुण धवन इन दिनों खूब चर्चा में हैं। उनकी फिल्म बेबी जॉन क्रिसमस के मौके पर रिलीज होने वाली है। फिल्ममेकर्स एटली और प्रिया एटली का दावा है कि उनकी यह एक्शन फिल्म वरुण धवन के लिए मील का पत्थर साबित होगी। जबकि डायरेक्टर कलीस ने वरुण की तारीफ करते हुए कहा है कि वह बॉलीवुड के अल्लू अर्जुन बनने का दम रखते हैं।

बेबी जॉन से डायरेक्टर कलीस भी बॉलीवुड में डेब्यू कर रहे हैं। वह साउथ सिनेमा में बड़ा नाम हैं। बातचीत में कलीस ने अपने हीरो के लिए कहा, वरुण जिस तरह की एक्टिंग, डांस या एक्शन करते हैं, उनमें एक कमर्शियल हीरो बनने के हर गुण हैं। मुझे लगता है कि बॉलीवुड में एक अल्लु अर्जुन वाली जगह जो खाली है, वरुण उसे भर सकते हैं।

कलीस ने आगे कहा, बेशक ऋतिक रोशन सर और दूसरे बेहतरीन हीरो सब भी हैं, मगर अब बॉलीवुड में वैसी मास एक्शन फिल्म कोई नहीं कर रहा है। सभी रियलिस्टिक फिल्में पसंद कर रहे हैं। ऐसे में, अल्लू अर्जुन वाली जगह यहां खाली है, जो वरुण धवन बखूबी भर सकते हैं।

फिल्म में वरुण की है छोटी सी बेटी

वरुण धवन बेबी जॉन में एक पिता के किरदार में हैं। फिल्म के ट्रेलर में छोटी बच्ची के साथ उनकी केमिस्ट्री को खूब पसंद किया गया है। ऐसे में जब वरुण धवन से इस बारे में सवाल किया, तो उन्होंने कहा, मैंने हमेशा ऐसी फिल्में करने की कोशिश की है, जो बच्चे देख सकें और उसे एंजॉय कर सकें।

ऐसी फिल्मे करना पसंद है, जो बच्चे देख सकें

वरुण से आगे पूछा गया कि क्या पिता बनने के बाद वह खुद में कोई बदलाव या बच्चों संग ज्यादा लगाव महसूस करते हैं? इस पर एक्टर ने कहा, मैं बचपन से बच्चों के साथ एंजाय करता रहा हूं। मैंने अपने करियर में पहले भी जो फिल्में की हैं, मेरी कोशिश यही रही है कि उन फिल्मों को बच्चे देख सकें। मेरी सोच हमेशा ये रही है कि मैं वैसी फिल्में बनाना चाहता हूं जो बच्चे देख सकें, एंजॉय कर सकें, जो उनके चेहरे पर मुस्कान ला सकें। इसलिए, मैं बच्चों के साथ बहुत एंजॉय करता हूं। उनके साथ मस्ती करने, खेलने में मुझे बहुत मजा आता है और जारा (फिल्म में वरुण की बेटी बनीं चाइल्ड एक्टर) के साथ तो मुझे बहुत मजा आया। वरुण ने आगे कहा, जारा बहुत ही प्यारी और एकदम पटाखा एक्टर है। उसने मेरी बेटी के लिए गिफ्ट भी दिया। बाकी, पिता बनने के बाद मैं बदला हूं या नहीं, उसका पता नहीं, क्योंकि मैंने खुद पर इतना ध्यान नहीं दिया।

सलमान के एक्शन पर बोले वरुण

बेबी जॉन में वरुण धवन ने सलमान खान के साथ भी कोलैबरेशन किया है। सलमान फिल्म में कैमियो रोल में हैं। इस पर वरुण कहते हैं, फिल्म का एक्शन आम फिल्मों से काफी अलग है। यह अंतरराष्ट्रीय और देसी स्टंट का अच्छा मिश्रण है। फिल्म के डायरेक्टर कलीस ने एक्शन के लिए बहुत मशक्कत करवाई है। कभी छह घंटे उल्टा लटकाए रखा, तो कभी सुबह पांच बजे घोड़ा चलवाया। बेबी जॉन में वरुण धवन के साथ जैकी श्रॉफ, कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म क्रिसमस के मौके पर बुधवार, 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सफलता को सिर पर हावी नहीं होने देना चाहिए

पंकज त्रिपाठी ने अपनी फिल्म स्त्री 2 की बड़ी सफलता पर खुलकर बात की है। यूं तो इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़े और बंपर कमाई की बावजूद इसके पंकज का मानना है कि सफलता को सिर पर हावी नहीं होने देना चाहिए। अभिनेता ने कहानी कहने की कला पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया हालांकि, उन्होंने अपनी फिल्म स्त्री 2 की सफलता पर खुशी भी जाहिर की। उन्होंने कहा कि मामूली बजट की फिल्म का ब्लॉकबस्टर होना काबिल-ए-तारीफ है।

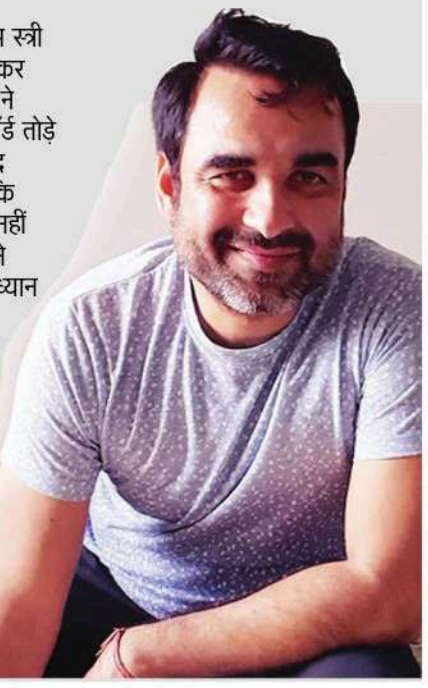

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267